गुरुवार

09 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

जांच अभियान चला प्रतिबंधित वस्तु व कैश करें जब्त : प्रेक्षक

2

पटना से गिरफ्तार नीट अभ्यर्थी आयुष का दावा परीक्षा से एक दिन पहले ही मिल गए थे पेपर

केटी न्यूज/पटना

पटना में 05 मई को हुई नीट की परीक्षा के पेपर लीक की खबर सामने आने के बाद शास्त्री नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। अब पटना पुलिस ने इसकी जांच तेज करते हुए एसआईटी का गठन किया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक 13 अभियुक्तों को जेल भेजा है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए आयुष नाम के भी एक अभ्यर्थी ने पुलिस की पूछताछ में यह दावा किया है कि रविवार को परीक्षा थी, लेकिन उसे चार मई को ही रात में प्रश्न पत्र मिल गया था। प्रश्न पत्र बिल्कुल वही था जो पांच मई को पूछा गया था।

आयुष ने दावा किया है कि उसके साथ कुछ और अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र और उत्तर रटवाया गया था। आयुष की इस बात का जिक्र एफआईआर में है। पुलिस आयुष के दावे की सच्चाई पता कर रही है। एसआईटी आयुष सहित एक-एक आरोपितों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। केस के आईओ तेज नारायण सिंह ने आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए पटना सिविल कोर्ट के एसीजेएम की अदालत में पेश किया था। उन्होंने अग्रसारण प्रतिवेदन में लिखा है कि आरोपितों ने नीट का प्रश्न पत्र लीक कर कदाचार किया है।

उधर एनटीए ने प्रश्नपत्र लीक की खबरों को निराधार बताया है। सूत्रों की मानें तो रांची से केंद्रीय एजेंसियों से पटना पुलिस को सूचना मिली थी कि नीट परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक कराने की कोशिश की जा रही है। पटना पुलिस ने कई इलाकों में छापेमारी की थी। इसके बाद 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था।

पटना के पुराने म्यूजियम में लगी आग, कई सामान जले

केटी न्यूज/पटना

राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित पुराने पटना संग्रहालय में बुधवार को अचानक आग लग गयी। आगजनी की इस घटना से मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गयी। वहीं आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम दमकल की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे. दमकलकर्मियों ने बिल्डिंग के शीशे को तोड़कर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। आग लगने की वजह से उक्त जगह पर धुंआ ही धुंआ भर गया था।

अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की टीम पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। उन्होंने बताया कि आग लगने की वजह अभी सामने नहीं आयी है। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि कोई आदमी हताहत नहीं हुआ है। अंदर रखे सामान जरूर आग लगने की वजह से नष्ट हुए हैं। नुकसान का आंकलन किया जाएगा।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान से मचा घमासान

भारत में ईस्ट के लोग चीन जैसे और साउथ के लोग अफ्रीका जैसे दिखते हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने एक बार ऐसा बयान दिया, जिसके बाद सियासी घमासान मच गया। सैम पित्रोदा ने कहा, भारत में ईस्ट के लोग चीन जैसे और साउथ के लोग अफ्रीका जैसे दिखते हैं। पित्रोदा के इस बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। दरअसल, एक मीडिया हाउस को दिए इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता को लेकर बात रखी थी। इस दौरान उन्होंने कहा, हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को एक साथ रख सकते हैं। यहां पूर्व के लोग चीन जैसे, पश्चिम के लोग अरब जैसे, उत्तर के लोग शायद गोरों जैसे और दक्षिण के लोग अफ्रीका जैसे दिखते हैं।

कांग्रेस ने किया किनारा: कांग्रेस ने सैम पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा, भारत की विविधता को दशार्ने के लिए की गई तुलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। कांग्रेस इनसे खुद को पूरी तरह से अलग करती है।

विरासत टैक्स पर दिया था बयान: इससे पहले सैम पित्रोदा ने अमेरिका के विरासत टैक्स का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका में विरासत टैक्स लगता है। इसमें किसी व्यक्ति के मरने के बाद उसकी संपत्ति का सिर्फ 45% हिस्सा बच्चों को ट्रांसफर होता है। बाकी 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिल जाता है। उन्होंने कहा था कि ये बहुत ही रोचक कानून है। लेकिन भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है। सैम पित्रोदा ने टिप्पणी राहुल गांधी के उस बयान पर की थी, जिसमें राहुल ने कहा था कि अगर उनकी सरकार बनी, तो सर्वे करके पता लगाया जाएगा कि किसके पास कितनी संपत्ति है।

सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ा

सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनका इस्तीफा मंजूर भी कर लिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा,' सैम पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

जानें कौन हैं सैम पित्रोदा: सैम पित्रोदा का पूरा नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उन्होंने कई आविष्कार किए। साल 1974 में उन्होंने वेस्कॉम स्विचिंग कंपनी में अपना योगदान दिया। 1975 में इलेक्ट्रॉनिक डायरी का आविष्कार किया। फिर चार साल में पित्रोदा ने 580 डीएसएस स्विच बनाई. उसे 1978 में उसे लॉन्च किया। पित्रोदा को भारत में सूचना क्रांति का जनक माना जाता है। यूपीए सरकार में पित्रोदा तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के यूएन सलाहकार रहे।

देशवासियों को गालियां दी जाएंगी तो ये बर्दाश्त नहीं होगा : मोदी

पीएम मोदी ने इस मामले में राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, जब मुझे गालियां दी जाती हैं तो मैं इसे बर्दाश्त कर सकता हूं, लेकिन जब मेरे लोगों को गालियां दी जाएंगी तो ये बर्दाश्त नहीं होगा। हम इस जातिवादी मानसिकता को स्वीकार नहीं करेंगे। किसने शहजादे को मेरे लोगों को इस तरह तुच्छ दृष्टि से देखने की अनुमति दी? मेरे देश के अनेक लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर उन्होंने इतनी बड़ी गाली दे दी। तब जाकर मुझे समझ आया कि चमड़ी का रंग देखकर इन्होंने मान लिया था कि द्रौपदी मुर्मू अफ्रीकी हैं और इसलिए उनकी चमड़ी का रंग काला है तो उनको हराना चाहिए।

धीरे-धीरे उतरता जा रहा है कांग्रेस का नकाब : भाजपा

सैम पित्रोदा के बयान को भारत के अस्तित्व के लिए चुनौती और भारत, भारतीयों की पहचान, सनातन एवं भारतीय लोकतंत्र का अपमान बताते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के आला नेताओं और राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की है। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जैसे-जैसे लोकसभा का चुनाव आगे बढ़ता जा रहा है, कांग्रेस का नकाब उतरता चला जा रहा है। राहुल गांधी के कुख्यात उस्ताद सैम पित्रोदा ने भारत के अस्तित्व पर ही सवाल उठा दिया है और उनके बयान ने कांग्रेस के इरादे जाहिर कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह भारत के वास्तविक स्वरूप की लड़ाई है। अब यह विषय चुनाव या राजनीति का नहीं, बल्कि, भारत के अस्तित्व का बन गया है, क्योंकि, सैम पित्रोदा भारत के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं। यह भारत में लोकतंत्र की व्यवस्था के प्रति उनकी अज्ञानता और अवमानना का प्रतीक है। वह स्किन के कलर के आधार पर भारतीयों को बांटने की बात कर रहे हैं, इससे ज्यादा शर्मनाक और घटिया बयान नहीं हो सकता है। त्रिवेदी ने कहा कांग्रेस की मानसिकता साफ है, भारत को उत्तर-दक्षिण, भाषा और अन्य आधारों पर अंदर से तोड़ो और विदेश से जोड़ो।

जब-जब हिंदुओं पर प्रहार होगा, उनका मंदिर मुसलमान तोड़ेगा तो वहां खड़ा होकर प्रतिकार करूंगा: गिरिराज

केटी न्यूज/ बेगूसराय

केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने बुधवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। नया गांव थाना क्षेत्र के बागडोभ हाई स्कूल के प्रांगण में मौजूद केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी की मौजूदगी में गिरिराज सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में लालू यादव क्या करते थे? सोनिया गांधी का टुकुर-टुकर मुंह ताकते थे क्या? गिरिराज सिंह ने कहा, मैं डंके की चोट पर कहता हूं कि मैं विकास भी करता हूं और जब हिंदुओं पर प्रहार होता है, उनका मंदिर, शिव मंदिर मुसलमान तोड़ेगा तो गिरिराज सिंह वहां पर खड़ा होकर प्रतिकार करेगा। हम दोनों काम करते हैं।

गिरिराज सिंह ने कहा कि बेगूसराय में नितिन गडकरी ने सिक्स लेन पुल दिया है। नरेंद्र मोदी ने रेल पुल भी दिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं अंतिम बात कहता हूं, सीपीआई ने चुनाव आयोग में शिकायत की थी कि गिरिराज सिंह इस तरह की बात करते हैं। मैं डंके की चोट पर कहता हूं कि मेरे लिए वोट मांगिएगा, लेकिन देशद्रोहियों से मेरे लिए वोट नहीं मांगिएगा।

उधर सभा में पहुंचे नितिन गडकरी ने कहा कि बेगूसराय के मटिहानी और शाम्हो को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर 4 हजार 400 करोड़ की लागत से 48 किलोमीटर छह लेन के पुल का निर्माण कराया जा रहा है। गिरिराज सिंह ने मांग की थी। निश्चित रूप से चुनाव समाप्त होने के बाद इसका काम शुरू हो जाएगा।

लालू बताएं यादव, कोईरी, कुर्मी पिछड़े का आरक्षण क्यों छीन रहे

गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू बताएं कि यादव, कोईरी, कुर्मी, पिछड़े का आरक्षण क्यों छीन रहे हैं? गिरिराज सिंह ने कहा कि कर्नाटक में कानून बन गया कि मुसलमान पिछड़ा हो गया है। बताइए ये सनातन हिंदुओं पर प्रहार है कि नहीं? गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं इसकी लड़ाई लड़ूंगा और सनातन पिछड़े का हक नहीं मरने दूंगा।

गुजरात के तलाला में दो बार कांपी धरती

अहमदाबाद। गुजरात में तलाला के पास भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता चार से कम मापी गई। जानकारी के मुताबिक, गिर सोमनाथ जिले के तलाला में बुधवार दोपहर 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके तुरंत बाद ही 3.4 तीव्रता का एक और झटका आया। आईएसआर ने कहा कि तीन बजकर 14 मिनट पर 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में तलाला से करीब 13 किलोमीटर दूर उत्तर-उत्तरपूर्व में था।

दो शहजादे सत्ता में आ गए तो श्रीराम मंदिर में लगवा देंगे बाबरी ताला: शाह

एजेंसी/लखनऊ

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान का एजेंडा आगे बढ़ाते हैं, इसीलिए पाकिस्तान राहुल गांधी की प्रशंसा करता है। उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर दो शहजादे सत्ता में आ गए तो अयोध्या के श्रीराम मंदिर में बाबरी ताला लगवा देंगे। भ्रष्टाचार पर सख्त रवैया दिखाते हुए अमित शाह ने कहा कि अखिलेश और राहुल को समझ लेना चाहिए कि भ्रष्टाचार करोगे तो जेल जाओगे। उन्होंने राहुल गांधी की सही जगह वायनाड और रायबरेली नहीं, बल्कि इटली बताई। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना को महान बताने वाले लोगों को इतिहास पढ़ना चाहिए।

लालू से पूछें मुसलमान कि आज तक उनका विकास क्यों नहीं हुआ: पीके

एजेंसी/नई दिल्ली

लालू प्रसाद के मुसलमानों को आरक्षण मिलना ही चाहिए के बयान पर प्रशांत किशोर ने पलटवार किया है। पीके ने कहा कि मुसलमान 32 साल से लालटेन को वोट दे रहे हैं, समय आ गया है जब मुसलमानों को लालू से पूछना चाहिए कि मुसलमान को आजतक उप-मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया या कोई बड़ा मंत्रालय क्यों नहीं दिया? प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं बिहार में 18 महीने से पैदल चल रहा हूं, 5 हजार से ज्यादा गांव में जाने के बाद मैं रोज मंच से कहता हूं कि दलितों के बाद सबसे ज्यादा गरीब, बदहाल, फटेहाल अगर बिहार में कोई है तो वो मुसलमान है। लेकिन 32 साल से मुसलमानों ने लालटेन का साथ नहीं छोड़ा है। 30-32 सालों में मुसलमानों ने आरजेडी से कभी नहीं पूछा कि आपके नेता सड़क और ग्रामीण कार्य मंत्री रहे फिर हमारे गांव में सड़क, नाली और गली क्यों नहीं बना है? आप स्वास्थ्य मंत्री थे फिर बच्चों के लिए अस्पताल और दवाई क्यों नहीं है? आप शिक्षा मंत्री थे फिर हमारे बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था क्यों नहीं हुई? मुसलमान इन सारी परेशानियों के बावजूद लालटेन को वोट देता है।

अश्विनी चौबे का लालू पर हमला... बोले- शून्य हो जाएंगे, उनका पूरा खानदानवाद समाप्त हो जाएगा

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव के बीच लालू प्रसाद ने मंगलवार को मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर सियासी माहौल को गर्म कर दिया था। अब इसको लेकर बीजेपी ने जोरदार हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा है कि लालू का पूरा खानदानवाद समाप्त हो जाएगा। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद के यह कहने पर कि मुसलमानों को पूरा आरक्षण मिलना चाहिए, इसपर अश्विनी चौबे ने कहा कि इन लोगों की मंशा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण का लाभ दिया जाए। कांग्रेस के मेनिफेस्टो और कर्नाटक में उनका व्यवहार इस बात को स्पष्ट कर रहा है। यह लोग पिछड़े, अतिपिछड़ा और अनुसूचित जाति के आरक्षण को उनसे छीनकर धर्म के आधार पर मुसलमानों को देने की फिराक में हैं

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग अरक्षण का दुरुपयोग करने में लगे हुए हैं। केंद्र में अगर भूल से भी इनकी सरकार बन जाती है, को कि संभव ही नहीं है तो देश के गरीबों से आरक्षण को छीनकर मुसलमानों को दे देंगे। उन्होंने कहा कि ऊपर पप्पू और नीचे गप्पू से सरकार नहीं चलने वाला है। देश में फिर से नरेंद्र मोदी की सरकार बनने वाली है और हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने वाले हैं। अश्विनी चौबे ने कहा कि, तेजस्वी यादव के पिता को बोल दो वह जीरो और शून्य हो जाएगा और उसका पूरा खानदानवाद समाप्त हो जाएगा। बता दें कि लालू प्रसाद ने तीसरे चरण की वोटिंग के बीच कहा था कि देश के मुसलमानों को पूरा आरक्षण मिलना चाहिए। कहा जा रहा है कि एक सोची समझी चुनावी रणनीति के तहत लालू ने मुसलमानों को पूरा आरक्षण देने का दांव खेला है।

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी सोनिया गांधी को सच बोलने की नसीहत

जनता की आंखों में धूल झोंक अब सत्ता नहीं हथिया पाएगी कांग्रेस

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र कहा जाना अपने आप में हास्यास्पद है। वास्तव में यह अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों के प्रति, भारत की सनातन आस्था के प्रति अन्याय पत्र है। बुधवार को अकबरपुर, फरुर्खाबाद और शाहजहांपुर लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता श्रीमती सोनिया गांधी द्वारा भाजपा पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप

लगाए जाने के सवाल पर सीएम योगी ने तल्ख अंदाज में कहा कि सफेद झूठ बोलने की बजाय कम से कम सोनिया गांधी को तो सच बोलने की आदत डालनी चाहिए। चुनाव के दौरान अब वे लोग देश की जनता की आंखों में धूल झोंककर सत्ता नहीं हथिया पाएंगे क्योंकि मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट होकर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के दर्शन के रहा है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी जी की तरफ से भाजपा पर लगाया गया झूठा आरोप 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' को चरितार्थ करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह हर व्यक्ति जानता है बांटों और राज करो की नीति कांग्रेस को विरासत में प्राप्त हुई है। अंग्रेजों की कुटिल चाल को 1947 में कांग्रेस ने सफल होने दिया और देश का बंटवारा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद राजनीतिक स्वार्थ के कारण जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर देश के अंदर वर्ग संघर्ष को कांग्रेस ने बढ़ावा दिया। आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद, यह सब कांग्रेस की ही देन है। सीएम ने सवालिया अंदाज में कहा कि यूपीए चेयरपर्सन के रूप में श्रीमती सोनिया गांधी जी ने 2004 से लेकर 2014 के बीच में क्या किया, यह कौन नहीं जानता। उस समय क्या यह सच नहीं कि ओबीसी के आरक्षण पर सेंधमारी लगाने के लिए जस्टिस रंगनाथ मिश्रा की कमेटी इन्होंने गठित की थी। और, कमेटी ने संस्तुति की थी कि ओबीसी के आरक्षण में से 6 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों को दे दिया जाय। भाजपा और एनडीए ने उसे समय विरोध किया था और कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए।

नेताओं की जुबानी बह रही विकास की गंगा, गांव की पगडंडी दिखा रही आइना

- आजादी के 77 वर्षों बाद भी पक्की सड़क से वंचित है चौगाईं प्रखंड का भादी गांव
- लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों को सबक सिखाएंगे ग्रामीण, पोस्टर लगा किया है इशारा

रजनी कांत दूबे/डुमरांव

लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने के लिए कई हथकंडे अपना रहे है। वे मतदाताओं के सामने कई लोक लुभावने वादे कर रहे है तो कई नेता अपने पिछले इतिहास व सरकार के कार्यों की दुहाई दे खुद को जनता का रहनुमा साबित करते फिर रहे है। चुनावी बयार में नेताओं की जुबानी विकास की गंगा बहाई जा रही है। लेकिन, चौगाईं प्रखंड के नचाप पंचायत के भादी गांव की पगडंडी नेताओं के जुबानी विकास को आइना दिखा रही है। आजादी के 77 वर्षों बाद भी यह गांव विकास से कोसो दूर है। इसका सहज अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अबतक इस गांव में पक्की सड़क नहीं बन पाई है। जबकि गांव में करीब 500 मतदाता व उनका परिवार निवास करता है। अधिकतर आबादी पिछड़ा वर्ग की है। आजादी के बाद से अबतक कई सरकार बनी, ग्रामीणों ने अपने कीमती मत से कई राजनेताओं को विधानसभा व संसद में भेजने का काम किया है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद कोई वापस लौट उनका हाल चाल जानने नहीं आया। प्रखंड मुख्यालय से गांव

को जोड़ने वाली सड़क के बजाय दूसरी दिशा से ईंट सोलिंग की एक कच्ची सड़क जरूर बनाई गई है, लेकिन समय के साथ मरम्मत के अभाव में यह सड़क भी बदहाल हो गई है। जिस पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। जिस कारण ग्रामीण युवाओं में इस बार काफी आक्रोश है। युवा चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को इस बार सबक जरूर सिखाएंगे। युवाओं ने इसकी चेतावनी भी पोस्टर से दे दी है।

पोस्टर पर लिखा, चौगाईं प्रखंड का भादी गांव इधर है: युवाओं ने नेताओं को चेतावनी देने के लिए एक पोस्टर लगाया है, जिस पर लिखा है- चौगईं प्रखंड का भादी गांव इधर है। आजादी के 76 वर्षों बाद भी इस गांव में पक्की सड़क तक नहीं है। भादी गांव विकास से वंचित है। हम चाहेंगे कि आप हमारे गांव में वोट मांगने जरूर आए।

सर्कस में करतब दिखाने जैसा है पगडंडी पर वाहन चलाना: इस गांव को प्रखंड मुख्यालय तक जोड़ने के लिए एक पगडंडी है। जिस पर वाहनों को चलाना सर्कस में करतब दिखाने जैसा है। लिहाजा ग्रामीण पैदल ही आवाजाही करते है। इस कारण मरीज जहां खाट पर ढोए जाते है तो दुल्हने पैदल या फिर डोली पर आती है। नेट व जेट के इस युग में भी सरकार, शासन व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से भादी गांव के लोग 19 वीं सदी जैसा जीवन बसर करने को मजबूर है।

कहते है ग्रामीण

भादी निवासी तथा जन सेवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अशोक यादव, धनजी यादव, कमलेश कुमार, अंकित यादव, प्रदीप कुमार, विकास कुमार, मनलाल कुमार, दरोगा यादव आदि का कहना है कि सिर्फ चुनाव के समय ही इस गांव की याद नेताओं को आती है। जबकि हरिनारायण सिंह, रामायण यादव, ददन यादव, जितेन्द्र यादव, मंटू यादव का कहना है कि इस बार इस गांव को नेताओं का चारागाह नहीं बनने दिया जाएगा। वोट मांगने आने वालों से विकास का हिसाब मांगा जाएगा तथा इस गांव में अबतक पक्की सड़क क्यों नहीं बनी इसका जबाव पूछा जाएगा। जाहिर है, ग्रामीणों के ऐसे तेवर से इस गांव में वोट मांगने आने वाले प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ने वाली है।

एक नजर

लोस चुनाव: दूसरे दिन एक निर्दलीय ने भरा पर्चा

बक्सर। अंतिम चरण आगामी एक जून को सातवें चरण में होने वाले बक्सर संसदीय क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल करने का सिलसिला मंगलवार पहले दिन से जारी है। जहा पहले दिन कुल तीन निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा नामांकन का पर्चा दाखिल किया गया। वही दूसरे दिन बुधवार को भी एक निर्दलीय प्रत्याशी द्वारा नामांकन का पर्चा भरा गया। इस तरह विगत दो दिनों में कुल चार प्रत्याशियों द्वारा नामांकन का पर्चा भर गया है। जनसूचना से मिली जानकारी के अनुसार बक्सर संसदीय क्षेत्र से बुधवार को एक निर्दलीय उम्मीदवार सुधाकर मिश्रा द्वारा जिला निवार्चन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के समक्ष अपना नामांकन का पर्चा जमा किया गया। इस तरह अब तक कील चार प्रत्याशियों द्वारा इस बक्सर लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन की गई है। बता दे कि इस लोकसभा चुनाव के लिए कुल 14 अभ्यर्थियों द्वारा नाजिर रसीद सह नामांकन पर्चा की खरीद की गई है।

ब्रह्मपुर नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे विभागीय कार्यों पर पार्षदों ने लगाया अनियमितता के आरोप

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर नगर पंचायत द्वारा कराए जा रहे विभागीय कार्यों पर पार्षदों ने अनियमितता के आरोप लगा मोर्चा खोल दिया है। नगर पंचायत ब्रह्मपुर के सभी वार्ड पार्षदों ने जेई अंजनी कुमार, तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी अनिरुद्ध कुमार एवं नगर अध्यक्ष सुमन देवी पर विभाग द्वारा कराये जा रहे सफाई के कार्यों में घोर अनियमितता का आरोप लगाया है। पार्षदों ने जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं नगर विकास एवं आवास विभाग पटना को पत्र भेज इसकी शिकायत की है। पत्र में पार्षदों ने बताया है कि ब्रह्मपुर में सफाई का कार्य लगभग 12 माह से नगर पंचायत द्वारा विभागीय मद से कराया जा रहा है। जबकि सफाई का कार्य विभागीय द्वारा नियमतः इतना लंबा समय तक नहीं कराया जाता है। पार्षदों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पालिका अधिनियम को ताक पर रख जेई अंजनी कुमार, तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी अनिरुद्ध कुमार एवं नगर अध्यक्ष सुमन देवी द्वारा सफाई के कार्यों में काफी लूट खसोट पूर्व में भी किया गया है और वर्तमान में भी किया जा रहा है। जबकि सशक्त स्थाई समिति एवं बोर्ड के बैठक में दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को ही सर्वसम्मति से सफाई का कार्य हेतु आउटसोर्स एजेंसी निविदा के माध्यम से बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया गया था, परंतु इन लोगों के द्वारा अपनी निजी स्वार्थ के लिए आउटसोर्स एजेंसी निविदा बहाल आज तक नहीं कराया गया। इससे स्पष्ट साबित होता है कि सरकार द्वारा सफाई कार्य हेतु दी गई राशि का दुरुपयोग एवं काफी मात्रा में लूट खसोट किया जा रहा है। जबकि आश्चर्यजनक बात यह है कि नगर पंचायत ब्रह्मपुर में विभागीय द्वारा कराये जा रहे सफाई के कार्यों में पांच सुपरवाइजर सहित लगभग 60 से 70 सफाई कर्मी सफाई का कार्य करते हैं जो पेन पेपर तक ही सीमट कर रह जाता है। जिनका सभी सफाई कर्मियों का दैनिक मजदूरी के नाम पर प्रति माह लगभग नौ लाख रुपए की निकासी की जाती है, बावजूद सफाई का कार्य संतोषजनक नहीं है। सभी पार्षदों ने डीएम अंशुल अग्रवाल एवं नगर विकास एवं आवास विभाग पटना से पत्र के माध्यम से गुहार लगाते हुए कहा की मामले की जांच कर दोषियों पर अविलंब कार्रवाई करते हुए सफाई का कार्य के लिए आउट सोर्स एजेंसी को निविदा के माध्यम से बहाल कराई जाए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में वार्ड पार्षद बसंत नट 01, मीना देवी 02, पप्पू कुमार 04, दुर्गा देवी 06, कायनात नवाज 07, शांति देवी 08, धर्मेंद्र कुमार सिंह 09, मोहम्मद एजाज 10, सुशील कुमार सिंह 11, सुनामी देवी 12, एवं राहुल कुमार अकेला वार्ड संख्या 13 शामिल है।

राजपुर में उड़नदस्ता टीम ने छह लाख किया जब्त

बक्सर। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम अंशुल अग्रवाल के नेतृत्व में गठित की गई उड़न दस्ता टीम द्वारा चौसा कोचस मुख्य पथ पर राजपुर के पास दैतरा बाबा पुल एवं रोहतास जिला के निकटवर्ती बसही पुल एवं जलहरा के पास गहन जांच अभियान चलाया गया। जिसके तहत विभिन्न जगहों से बगैर कागजात के छह लाख जब्त किए गए। उस दौरान सभी बड़ी एवं छोटी गाड़ियों की गहन तलाशी ली गई।बगैर कागजात चलने वाले लोगों को कड़ी फटकार भी लगाई गई।दैतरा बाबा के पास जांच के तहत स्कार्पियो सवार दो व्यक्ति के पास से सीओ डॉक्टर शोभा कुमारी ने एक लाख रुपये एवं बाइक से जा रहे दो अन्य व्यक्तियों से भी एक लाख चालीस हजार रुपए बरामद किये। पूछे जाने पर स्कार्पियो सवार तियरा निवासी संजय राय एवं अनिल राय ने बताया कि गेहूं की कटाई के बाद मजदूर एवं हार्वेस्टर कटिंग के लिए यह राशि वितरण करना था, जिसे बैंक से निकासी कर ले जा रहे थे। उनके पास कोई पुख्ता दस्तावेज नहीं था। जिसकी गिनती कर सीओ ने सभी रूपयों को जब्त कर लिए। बीपीआरओ ममता कुमारी ने जलहरा के पास जांच के दौरान पेट्रोल पंप के मैनेजर संतोष सिंह के पास से एक लाख चौरानबे हजार रुपए नगद पकड़ा, आवश्यक दस्तावेज की मांग की। मैनेजर द्वारा पेट्रोल पंप से संबंधित आवश्यक कागजात दिखाकर बताया गया किया बैंक में राशि जमा करने के लिए भेजी जा रही है। जिस पर बीपीआरओ ने वरीय पदाधिकारी से गाइडलाइन की मांग के बाद फिलहाल इन रूपयों को भी जब्त कर लिया। राय सर्विस सेंटर तियरा पेट्रोल पंप एवं अन्य पेट्रोल पंप के मालिक के द्वारा भी नियमित बैंकों में राशि जमा की जा रही है। ऐसे में इन लोगों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन को इस पर पहल करना चाहिए या फिर पेट्रोल पंप की राशि को किस तरीके से जमा किया जाएगा इसका गाइड लाइन होना चाहिए। अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश के निकटवर्ती देवल पुल के पास भी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी तैनात किए गए हैं।

चुनाव के मद्देनजर सीमा पर बनाया गया विशेष चेकपोस्ट

- आचार सहिता उल्लंघन व अवैध हथियार, मादक द्रव्य के अलावा अपराधिक गतिविधियों पर रहेगी पैनी नजर

केटी न्यूज/बक्सर

चुनावी अधिसूचना जारी होने के साथ लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हो, किसी प्रकार का कोई व्यवधान न पड़े। इसको लेकर प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। बक्सर संसदीय क्षेत्र का चुनाव अंतिम चरण आगामी एक जून को होना है। इसको लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सीमा पर विशेष चेक पोस्ट बनाया गया है। जहा दंडाधिकारी व पुलिस बल की गई है। इस चेक पोस्ट से हर आने जाने वालो पर पैनी नजर रखी जायेगी। बात दे कि चुनाव के मद्दे नजर शांतिपूर्ण चुनाव व शांति व्यवस्था के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी के निर्देश पर चौसा यादव मोड़ से यूपी के गाजीपुर जाने वाले मार्ग स्थित कर्मनाशा पुल व रामपुर से यूपी के देवल जाने वाले देवल पुल पर विशेष चेक पोस्ट बनाया गया है। जहा फ़्लाइंग स्क्वायड व स्टेटिक्स सर्विलांस टीम का गठन कर चेकपोस्ट पर लगाया गया है। प्रतिनियुक्त टीम के दंडाधिकारी व पुलिस बल 24 घण्टे चेक पोस्ट पर तैनात रहेंगे और आने जाने वाहनों व व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखेंगे। फ्लाईग स्क्वायड टीम आचार सहिता उल्लंघन, मादक पदार्थ, आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद, रिश्वत देने हेतु भारी मात्रा में नगदी राशि की जांच करेंगे, वही अपराधिक गतिविधियों पर भी विशेष नजर रहेगी। वही स्टेटिक सर्विलांस टीम इन पर कार्रवाई करेंगी। उन्होंने बताया की इससे जहा शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न होगा। वही लोग निर्भीक हो मतदान करेंगे। सीमा चेकपोस्ट पर तैनात कर्मियों ने बताया कि चेकपोस्ट का निर्माण कर दिया गया। टेंट गाड़ दिए गए है। मगर बैठने के लिए कोई व्यवस्था नही है न भीषण गर्मी पीने को पानी की व्यवस्था, ऐसे में थोड़ी परेशानी हो रही है।

जांच अभियान चला प्रतिबंधित वस्तु व कैश करें जब्त : प्रेक्षक

- व्यय प्रेक्षक ने की व्यय कोषांग के कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर लोक सभा क्षेत्र के व्यय प्रेक्षक विशाल प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को अभ्यर्थी व्यय कोषांग एवं व्यय से संबंधित अन्य कोषांग के कार्यों की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में हुई। समीक्षा बैठक में व्यय प्रेक्षक ने सभी स्टैटिक निगरानी दल (एसएसटी) को निर्देशित किया कि नियमित तौर पर वाहनों की सघन जांच करें तथा प्रतिबंधित वस्तु एवं 50 हजार रुपए से अधिक कैश की जप्ती करते हुए ईएसएमएस पोर्टल पर इसकी प्रविष्टि करें। वही, उड़नदस्तादल(एफएस)को निर्देशित किया गया कि सभी प्रमुख स्थलों की जांच एवं कार्रवाई के साथ ही सी-विजील ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के अंदर निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे। प्रेक्षक ने सभी उड़नदस्ता दल एवं स्टैटिक निगरानी दल को जांच के क्रम में व्यय अनुश्रवण, आदर्श आचार संहिता के उल्लंधन के मामलें के अतिरिक्त मोटर वाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उड़नदस्ता चेक पोस्ट का होगा औचक निरीक्षण: उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं राज्यकर संयुक्त आयुक्त सह नोडल पदाधिकारी, अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग को निर्देशित किया गया कि स्टैटिक निगरानी दल के चेक पोस्ट पर पंजी एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था करेंगे, ताकि जांच में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं हो। वही, सीसीटीवी का भी निरंतर जांच कराने एंव मरम्मति कराने का निर्देश दिया गया। जिला खनन पदाधिकारी एवं जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक शमन की वसूली करते हुए ईएसएमएस पोर्टल पर इसकी सूचना देंगे। राज्यकर संयुक्त आयुक्त सह नोडल पदाधिकारी अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग को निर्देशित किया गया कि बक्सर जिला अंतर्गत उड़नदस्ता दल एवं स्टैटिक निगरानी दल के कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ स्टैटिक निगरानी दल के चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की होगी निगरानी: बैठक के दौरान प्रेक्षक ने नोडल पदाधिकारी, आदर्श आचार संहिता कोषांग को निर्देशित किया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों का सतत अनुश्रवण करते हुए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर एफआईआर दर्ज कराए। उड़नदस्ता दल एवं स्टैटिक निगरानी दल के साथ पुलिस पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करने के लिए पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि स्टैटिक निगरानी दल चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। नोडल पदाधिकारी, एमसीएमसी कोषांग को निर्देश दिया गया कि इलेक्ट्रॉनिक एंव प्रिंट मीडिया, केबल नेटर्वक के साथ साथ सोशल मीडिया पर विज्ञापन, प्रचार का नियमित अनुश्रवण करते हुए पेड न्यूज, फेक न्यूज पर कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया गया। तथा जो भी न्यूज पेड न्यूज की श्रेणी में आता है। उसे संबंधित अभ्यर्थियों के व्यय में अनिवार्य रूप से जोड़ने हेतु आवश्यक कारवाई करना सुनिश्चित करेंगे। नोडल पदाधिकारी, एकल खिड़की कोषांग को निर्देशित किया गया कि रैली, वाहन, सभा तथा अन्य के संबंध में दिए गए अनुमति की सूचना ससमय व्यय अनुश्रवण कोषांग को दिया जाना सुनिश्चित करेंगे। वीएसटी टीम को निर्देशित किया गया कि सभी रैलियों का कवर किया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा फीडबैक प्राप्त करते हुए वीवीटी को अग्रसारित करते हुए एकाउन्टिंग टीम को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। दिनारा एवं रामगढ विधान सभा क्षेत्र से संबंधित एकाउन्टिंग टीम एवं बक्सर जिला के एकाउन्टिंग टीम के बीच परस्पर समन्वय स्थापित कर कार्य करें।

वाहन चेकिंग अभियान चला पुलिस ने वसूले 73 हजार रुपये

- कोरानसराय व मुरार में भी चला चला अभियान, वाहन चालकों में मचा हड़कंप

केटी न्यूज/डुमरांव

लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही अनुमंडल पुलिस ने विधि व्यवस्था के मद्देनजर वाहन चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को डुमरांव अनुमंडल के कई थानों की पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव पुलिस ने नगर के विष्णु मंदिर त्रिमुहानी के पास घंटो वाहन चेकिंग अभियान चलाया। वाहन चेकिंग अभियान का नेतृत्व डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी व थानाध्यक्ष अनिशा राणा कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने कुल 22 वाहनों से 73 हजार 500 रूपए का जुमार्ना भी वसूला। डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताई कि वाहन चेकिंग अभियान के दौरान दुपहिया व चारपहिया वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही थी। वाहनों के सीट के नीचे तथा डिग्गी के अलावे उसमें बैठे लोगों की तलाशी भी ली गई। पुलिस लोकसभा चुनाव के दौरान मादक पदार्थों, शराब, अवैध आग्नेयास्त्र तथा नोट ले जाने की पड़ताल कर रही थी। वही, वाहन चेकिंग के दौरान चार बाइक अपने-अपने बाइक के कागजात नहीं दिखा सके। जिसके बाद पुलिस उनकी बाइक को जप्त कर थाने लाई तथा उनसे कागजातों की मांग की गई है।

कोरानसराय व मुरार में भी चला अभियान: दूसरी तरफ कोरानसराय व मुरार पुलिस ने भी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान चला बिना हेलमेट व वैध कागजातों के चलने वाले वाहन चालकों से जुमार्ना वूसला। पुलिस ने इस दौरान सभी तरह के वाहनों तथा पैदल चलने वाले यात्रियों तक की तलाशी ले इस बात की तस्दीक की कि कही लोग अवैध आग्नेयास्त्र, मादक पदार्थ, शराब या नोट की गड्डी तो लेकर नहीं जा रहे है। हालांकि, कही से भी ऐसे आपत्तिजनक सामान नहीं बरामद हुए। कोरानसराय थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह व मुरार थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने इसकी पुष्टि की।

कहते है एसडीपीओ

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए पुलिस मुश्तैद है। हर दिन सभी थानों में वाहन चेकिंग अभियान चला मादक पदार्थों, अवैध आग्नेयास्त्र, शराब, नोट तथा अन्य आपत्तिजनक सामानों की तलाशी ली जा रही है। **-अफाक अंसारी, एसडीपीओ डुमरांव**

भाजपा को अपना मत देकर प्रधानमंत्री को चुनेंगे, जो देश के लिए जीता और मरता है : मिथिलेश

- मोदी के राज में आयुष्मान कार्ड वाला भारत बन गया है
- जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर मोदी ने अपना वादा पूरा किया

केटी न्यूज/डुमरांव

लक्ष्मी की सवारी कमल का फूल है, उसी पर सवार होकर आती हैं। कमल छाप पर वोट देंगे तो लक्ष्मी को बुलाएंगे। आज हमार देश आयुष्मान भारत बन गया है। अमीर का जहां इलाज होता है, आज गरीब का इलाज भी वहीं हो रहा है। उक्त बातें बक्सर संसदीय क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी मिथिलेथ तिवारी ने डुमरांव के छठिया पोखरा पर आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि मोदी के राज में किसान भी खुशहाल है। किसानों के खाते में हर चार महीने पर दो हजार रूपया जा रहा है, जिससे वे अपनी खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। उन्हें दूसरे से कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ रही है। विश्व में भी मोदी के नाम का डंका बज रहा है। दुनिया के अन्य देश भी मोदी के कार्य करने की तरीका को लोहा मान उस पर चलने कीओर अग्रसर होने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने जो तीन वादा किया था, मोदी ने उनमें से दो को पूरा कर दिया है। पहला जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटा दिया गया। दूसरा वादा था अयोध्या में राम मंदिर बनाने का उसे भी पूरा दिया। अब तीसरा वादा देश में एक कानून लाने का है, इसबार वह भी पूरा हो जाएगा। हमारे प्रधानमंत्री झूठे वादे पर विश्वास नहीं करते, जो कहते हैं, वही करते भी हैं।

समारोह में आग लगी में पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री का वितरण किया गया

समारोह पूर्वक मनाया गया रेडक्रॉस दिवस, रक्तदान समेत आयोजित हुए कई कार्यक्रम

- प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा को ले श्रद्धालुओं में बढ़ गया है उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर बक्सर जिला रेडक्रॉस के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें रेडक्रॉस भवन में सुबह झंडातोलन और रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। इसका उदघाटन बक्सर एसडीओ सह रेडाक्रॉस सोसाईटी के उपाध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र ने किया। वही, रेडक्रॉस के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी चेयरमैन सुरेश अग्रवाल की अध्यक्षता हुआ। इस दौरान आग लगी में पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री का वितरण किया गया। संगोष्ठी का संचालन सचिव डॉ श्रवण कुमार तिवारी ने किया। मौके पर वाइस चेयरमैन सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, आपदा प्रभारी राजीव सिंह, पॉलीक्लिनिक प्रभारी दौलत चंद्रगुप्त, रेडक्रॉस के संयोजक डॉ सी एम सिंह, एजक्यूटिव मेम्बर ओमजी यादव, अविनाश जायसवाल, मनोज राय, जमाल अहमद, इफ्तखार अहमद, एम आलम बुलबुल, अरविंद चौबे, ऋषिकेष त्रिपाठी, चेयरमैन प्रतिनिधि नियमतुलाह फरीदी, रितेश उपाध्याय, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, सुरेश संगम, पूर्व सैनिक संघ से विद्या शंकर चौबे और उनके साथी गण एवं सैकड़ो लोग उपस्थित थे। वहीं एक वर्ष में चार बार रक्त दान करने वाले बजरंगी मिश्र, प्रियेश, रवि शंकर वर्मा व अखिलेन्द्र चौबे को एक वर्ष में चार बार रक्तदान करने के लिए सम्मानित किया गया। जबकि ब्लड बैंक से ज्यादा ब्लड लेने वाले अस्पतालों में बी के ग्लोबल को प्रथम स्थान, निल हॉस्पिटल को द्वितीय स्थान एवं दिब्य लोक को तीसरा स्थान के रूप में मोमेंटो से सम्मानित किया गया। अपने सम्बोधन में अनुमंडल पदाधिकारी ने रेडक्रॉस के कार्यो की सराहना किया और कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा में रेडक्रॉस की भूमिका दशकों से काबिले तारीफ रही है।

चुनाव कार्य में लापरवाही बरतने वाले दो शिक्षकों से बीडीओ ने पूछा स्पष्टीकरण

केटी न्यूज/केसठ

बुधवार को प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में बीएलओ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा ने की। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान में गति लाने को लेकर चर्चा की गई। बीडीओ ने कहा कि स्वीप कार्यक्रम के तहत हर घर दस्तक अभियान चलाया जाएगा। संपर्क के दौरान मतदान करने वाले मतदाताओं की जानकारी, मतदान नहीं करने वाले मतदाताओं की जानकारी और मतदान नहीं करने के कारण की जानकारी लेंगे। इसको लेकर उन्होंने स्वीप कार्यक्रम के आंगनबाड़ी सेविका एवं डीलर को मतदाता जागरूकता अभियान चलाने को लेकर निर्देश दिया। इसके अलावा प्रखंड के विभिन्न गांवों में मतदाताओं के जागरूक करने को लेकर चौपाल कार्यक्रम समेत अन्य कार्यक्रमों का शेड्यूल बनाकर जल्द जमा करने के लिए बीपीएम जीविका एवं बीपीएम शिक्षा विभाग को लेकर निर्देश दिया। बैठक के दौरान दो शिक्षक मिथिलेश कुमार जो विगत जनवरी माह से ही बैठक में उपस्थित नहीं रह रहे है वही निर्मल कुमार प्राथमिक विद्यालय जमुवा टोला दोनों शिक्षको पर स्पष्टीकरण किया गया। बीडीओ ने कहा की दो दिन के अंदर स्पष्टीकरण का जवाब नहीं देने पर वेतन बंद करने की कार्रवाई की जाएगी। मौके पर अजय कुमार विक्रांत, मुकेश कुमार, नसरुद्दीन अंसारी, अलाउद्दीन अंसारी, सुनील कुमार, मुन्ना कुमार, विनोद कुमार, रामानुज सिंह समेत कई अन्य मौजूद थे।

खबरें फटाफट

न्यायालय के आदेश पर इश्तहार चस्पाया

काराकाट(रोहतास)। कछवां थाना क्षेत्र के सोहदा निवासी शैलेंद्र साह पिता स्व बैकुंठ साह, अवधेश यादव पिता लक्ष्मण यादव, सरैया के रामायण यादव पिता स्व रामजन्म यादव कैथी के नीतीश कुमार पिता रामनारायण चौधरी के घर पर न्यायालय के आदेश के अनुसार इश्तहार चिपकाया गया है। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि इन सभी लोगों पर कुर्की जब्ती का वारंट न्यायालय से निर्गत है। न्यायालय के निर्देश का अनुपालन करते हुए इनके घर पर इश्तेहार चिपकाया गया है।

ओवरलोडेड बालू लदे एक ट्रक जब्त

काराकाट(रोहतास)। काराकाट पुलिस ने ओवरलोडेड बालू लदे एक ट्रक को जब्त कर लिया है । काराकाट थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि बिक्रमगंज-डिहरी मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र के जोरावरपुर पुल के समीप ओवरलोडेड बालू लदे एक ट्रक को जब्त किया गया है । उन्होंने कहा कि जब्त ट्रक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए संबंधित विभाग के वरीय अधिकारियों के पास रिपोर्ट भेज दी गई है । उन्होंने कहा कि जब्त ट्रक को स्थानीय पुलिस की निगरानी में रखा गया है ।

17 लीटर शराब बरामद,कारोबारी फरार

दिनारा(रोहतास)। नटवार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर देसी शराब किया बरामद , कारोबारी फरार । नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि सेमरा ओपी क्षेत्र के विशुनपुर गांव से 17 लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया गया है । उन्होंने बताया कि पुलिस की भनक मिलते ही कारोबारी भाग निकला । श्री कुमार ने कहा कि फरार कारोबारी को बहुत जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

17 जगहों पर नप ने किया प्याऊ की व्यवस्था

डुमरांव। भीषण गर्मी से नगर सहित शहर में आने वालों का जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। नप ने 17 स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था कर रखा है। अब लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानी नहीं हो रही है। हालांकि दोपहर तक प्याऊ में रखा पानी खाली हो जाता है, जिससे लोग भटकने लगते हैं। इसको लेकर ईओ अनिरूद्ध प्रसाद का कहना है कि कर्मी को प्याऊ को खाली होने पर उसे भरने के लिए हिदायत दिया गया है। ऐसी शिकायत मिलती है, तो संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

चौरी थाना क्षेत्र के डिलिया गांव की मंगलवार की रात की है घटना

आम तोड़ने के विवाद में बागीचे की रखवाली करने गए अधेड़ को मारी गोली, मौके पर मौत

- परिजनों की ओर से गांव के ही चार लोगों पर हत्या करने का लगाया जा रहा आरोप
- रविवार को आम तोड़ने के विरोध पर अधेड़ का चारों से हुआ था विवाद, दी गयी थी धमकी
- मामले की छानबीन और आरोपितों की धरपकड़ में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

चौरी थाना क्षेत्र के डिलिया गांव में मंगलवार की रात आम तोड़ने के विवाद में बागीचे की रखवाली करने गये एक अधेड़ को गोली मार हत्या कर दी गई। गोली उनके दायें कंधे के पास मारी गयी थी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक डिलिया गांव निवासी स्व. बहादुर राम के 55 वर्षीय पुत्र अगहनू राम थे। हत्या का आरोप गांव के ही चार लोगों पर लगाया जा रहा है। इधर, देर रात हत्या की खबर से गांव में सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष विवेक कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव पोस्टमार्टम करवाया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। भतीजा नंद कुमार ने बताया कि उसके चाचा गांव के ही एक व्यक्ति के आम के बागीचे की रखवाली करते थे। उसे लेकर पिछले करीब दो माह से वह रोज शाम को बागीचे में जाते और सुबह लौटते थे। रविवार की दोपहर गांव के ही चार व्यक्ति बागीचे में लगे पेड़ से आम तोड़ रहे थे। उन्होंने विरोध किया, तो चारों उनसे झगड़ा करने लगे थे। तब उन लोगों द्वारा उसके चाचा को देख लेने की धमकी भी दी गई थी। मंगलवार की शाम करीब सात बजे उसके चाचा बागीचे की रखवाली करने के लिए घर से निकले थे। उसी बीच उनकी गोली मार कर हत्या कर दी गई। रात करीब नौ बजे उन लोगों को फोन के जरिए घटना की सूचना मिली। तब वे लोग भागे-भागे बागीचे में पहुंचे, तो देखा कि उसके चाचा का शव पड़ा है। उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई है। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी। नंद कुमार की ओर से दो दिन पूर्व आम तोड़ने के विवाद में गांव के चारों लोगों पर अपने चाचा की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से पूरे मामले की छानबीन कर रही है। एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अब तक की जांच में आम तोड़ने के विवाद में हत्या करने की बात सामने आ रही है। गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गयी है। आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

वफादारी निभाने में गयी जान, पिता के निधन के बाद कर रहे थे रखवाली: बताया जा रहा है कि अगहनू राम का परिवार काफी दिनों से गांव के ही मो. सलाउद्दीन के खेत और बागीचे की रखवाली करते आ रहा है। भतीजे नंद कुमार का कहना है कि पहले चाचा के पिता बहादुर राम बागीचे की रखवाली करते थे। उनके निधन के बाद चाचा अगहनू राम रखवाली करने लगे। उसी क्रम में मंगलवार को आम तोड़ने का विरोध करने गांव के चार लोगों से झगड़ा हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। इधर, हत्या के बाद अगहनू राम के घर में कोहराम मचा है। बताया जा रहा है कि अगहनू राम चार भाई और चार बहनों में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी मीना देवी, पुत्री नेहा, उर्मिला मनीषा, पुत्र किशन और हरेंद्र है। पत्नी और बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत

संझौली(रोहतास)। बिक्रमगंज- सासाराम रेल खण्ड पर संझौली हॉल्ट से महज दो सौ मिटर की दूरी पर पोल संख्या- 69 के पास वुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान नही हो पाई है। पुलिस ने शब को कब्जे ले पोस्टमार्टम के लिए सासाराम हेतू भेज दिया है। घटना के संदर्भ में बताया जाता है की रेलवे ट्रैक पर अज्ञात वृद्ध महिला का शब जब ग्रामीणों ने देखा तो,इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर पहुची पुलिस ने शब को कब्जे ले शिनाख्त में जुटी गई। ग्रामीण स्तर से लेकर आसपास के कई गावों में पुलिस द्वारा शिनाख्त के लिए प्रयास किया गया। लेकिन अज्ञात शब का पहचान नही हो सका। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि रेलवे ट्रैक से करीब 70 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शब मिला। पुलिस शब को कब्जे ले पोस्मार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम हेतू भेज दिया है। अबतक शब का शिनाख्त नहीं हो पाई है।

बिहार सरकार मंत्री संतोष सिंह को मिली राहत

सासाराम (रोहतास)। बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह को सासाराम के एमपी एमएलए कोर्ट में बरी कर दिया। उन पर वर्ष 2015 में एक आचार संहिता मामले में केस दर्ज हुआ था। जो लगभग 9 साल के बाद इस मामले में फैसला आया है। इस दौरान मंत्री संतोष सिंह कोर्ट में प्रस्तुत हुए। इसके बाद सासाराम की कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया है। जिसके बाद मंत्री ने कहा कि बीजेपी के लोगों को कानून पर पूरा भरोसा है और वह भी कानून का पूरा पालन करते हैं। उन्हें झूठे मुकदमे में फसाया गया था। इसके बाद माननीय न्यायालय ने उन्हें आज बड़ी कर दिया।

शराब के नशे में हंगामा करते एक पकड़ाया

डुमरांव डुमरांव पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा करते एक शराबी को पकड़ा है। पुलिस ने उसका मेडिकल जांच कराया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने शराब पीने की पुष्टि की। पकड़ा गया आरोपी कृष्णाब्रम्ह थाना क्षेत्र के नुआंव गांव निवासी स्व लालगोविंद राम के पुत्र अनूप कुमार बताया जाता है। थानाध्यक्ष अनीषा राणा ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शहर के मुख्य सड़क पर नशे की हालत में हंगामा कर रहा था, जिसको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

डुमरांव पुलिस ने चलाया अभियान, छह वारंटी धराये

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने मंगलवार की शाम विशेष अभियान चलाकर अलग-अलग इलाके से छह वारंटियों को धर दबोचा। पकड़े गये आरोपियों में ठठेरी बाजार डुमरांव के रहने वाले रौशन कुमार, किस्मत प्रसाद, रामू प्रसाद, शंकर प्रसाद के अलावे खिरौली मोहल्ले के जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू तथा जंगल बाजार मोहल्ले के रहने वाले जुगनू प्रसाद शामिल है। थानाध्यक्ष अनीषा राणा ने बताया कि न्यायालय द्वारा सभी के खिलाफ वारंट निर्गत किया गया था। जिन्हें एक विशेष अभियान चलाकर गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस तरह से लगातार अभियान चलाया जाएगा। यह प्रयास किया जा रहा है कि सभी वारंटियों की गिरफ्तारी कर ली जाए।

10 मई को मनाई जाएगी भगवान श्रीपरशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया

बिक्रमगंज(रोहतास)।
हिंदू पंचांग के मुताबिक वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान श्रीपरशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। मान्यताओं के अनुसार इस दिन से सतयुग और त्रेतायुग का आरंभ हुआ था। इस दिन को अबूझ मुहूर्तों में से एक माना जाता है । इसलिए अक्षय तृतीया का धार्मिक महत्व काफी अधिक बढ़ जाता है। इस दिन भगवान कुबेर और माता लक्ष्मी की पूजा करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है । इस बार अक्षय तृतीया तिथि पर काफी शुभ योग बन रहे हैं । इस शुभ योग में सोना-चांदी सहित अन्य चीजों की खरीदारी करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है । विभिन्न आचार्यो के मतानुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरूआत 10 मई को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी और समापन 11 मई को रात 2 बजकर 50 मिनट पर हो जाएगी । इसलिए इस बार अक्षय तृतीया तिथि 10 मई 2024 को ही मनाई जाएगी । इस दिन खरीदारी करना शुभ माना गया है । बता दें कि इस साल 10 मई को सुबह 5 बजकर 33 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक सोना-चांदी सहित अन्य शुभ चीजें खरीद सकते हैं । विभिन्न आचार्यों के मतानुसार बता दें कि इस दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ और सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में रहेंगे।

काराकाट लोकसभा से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी राजा राम कुशवाहा ने भरा पर्चा

- महागठबंधन कार्यकताओं की उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/सासाराम

काराकाट लोक सभा क्षेत्र के लिए बीते मंगलवार को जारी अधिसूचना के बाद आज दूसरे दिन महागठबंधन के प्रत्याशी राजाराम कुशवाहा सहित एक निर्दलीय प्रत्याशी इंद्र राज यादव ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। नामांकन कक्ष से बाहर निकालने के पश्चात बातचीत के क्रम में राजाराम कुशवाहा ने कहा कि आज देश के सामने लोकतंत्र और संविधान बचाने का सवाल उत्पन्न हो गया है। देश में खेती किसानों के हाथ में रहे और नौजवानों के लिए एक सम्मानजनक रोजगार सबसे बड़ा मुद्दा है। जिस पर लगातार जन समर्थन मिल रहा है। इसके साथ हीं खेती किसानों के लिए लाभकारी हो ताकि किसानों को आत्महत्या न करना पड़े। वहीं काराकाट में त्रिकोणीय लड़ाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का किसी से कोई मुकाबला नहीं है। देश की जनता संविधान एवं लोकतंत्र को बचाना चाहती है और बीजेपी के रहते संविधान सुरक्षित नहीं रह सकता।

किसान की करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से मौत

- इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने पर डाक्टरों ने घोषित किया मृत

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा थाना क्षेत्र के मनी छपरा गांव में बुधवार की रात करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक युवा किसान की मौत हो गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने पर डाक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृत किसान मनी छपरा गांव निवासी जवाहर पांडेय के 40 वर्षीय पुत्र रोहित रंजन थे। उनके पड़ोसी राज किशोर पांडेय ने बताया कि मंगलवार की रात रोहित रंजन खेत में लगी मकई की पटवन करने गए थे। वहां मोटर का तार टूट कर पानी में गिर था। पटवन करने के दौरान उसी करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। इधर, काफी देर तक वह घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। परिजन उनकी खोजबीन करने खेत में पहुंचे, तो देखा कि वह अचेत अवस्था में पड़े है। उसके बाद उन्हें इलाज के लिए मनी छपरा स्थित पीएचसी ले आए। वहां डाक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उसके बाद परिजन उन्हें लेकर आरा सदर अस्पताल पहुंचे। वहां भी डाक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। तब पुलिस को सूचना दी गयी। उसके बाद सदर अस्पताल में तैनात पहुंची द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर, माता-पिता के इकलौते बेटे रोहित रंजन की की मौत से घर में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा कि रोहित रंजन अपने दो बहनों के बीच इकलौता भाई थे। उनके परिवार में पत्नी खुशबू देवी, पुत्री आद्या पांडेय और बेटा अनुराग पांडेय है। पत्नी और बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अनिल कुमार ने ब्रह्मपुर विधानसभा में जनसंपर्क कर जनता को किया गोलबंद

केटी न्यूज/ काराकाट

बसपा के प्रत्याशी अनिल कुमार ने कहा कि बीजेपी और राजद ने जनता का इस्तेमाल सिर्फ अपने यश और वैभव को बढाने के लिए किया, ना कि बक्सर की जनता की उन्नति के लिए. उन्होंने कहा कि बक्सर की जनता ने हमेशा नेता, राजनीतिक दल, उनके झंडों पर भरोसा कर वोट किया, लेकिन उसके बाद नेताओं और उनके दलों के आलिशान घर बने और वोट देने वाली जनता को छप्पर और दो वक्त की रोटी की भी लाले पड़ गये. अनिल चौधरी ने कहा कि जिनको हम लोग चुनकर सांसद भेजे वो कभी हमारी समस्या देखने तक नहीं आए, वे क्या उसे समझेंगे और विकास करेंगे। इसलिए मैं आपका बेटा, आपका भाई आपके पास आया हूं, आप मुझे आशीर्वाद दीजिए, मैं अपनी इस माटी की कसम खा संकल्प लेता हूँ कि बक्सर को विकसित बना कर ही दम लूंगा. उक्त बातें अनिल चौधरी ने बुधवार को ब्रह्मपुर विधानसभा में जनसंपर्क के दौरान कही। बुधवार को अनिल चौधरी ने ब्रह्मपुर विधानसभा के अंर्तगत कठार, योगिया, ओझवलिया, नैनीजोर दक्षिण, उत्तर नैनीजोर, नैनीजोर ढाबी, चक्की, राजापुर, तिलक राय के हाता, सिमिरी - खैरा पट्टी समेत दर्जनों गाँव में सघन जनसंपर्क कर जनता को अपने पक्ष में गोलबंद किया. इस अवसर पर उन्होंने गांव के बड़े, बुजुर्ग, युवा और महिलाओं से मुलाकात की और सबके उचित स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार मुहैया कराने का वादा किया।

विशेष शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों की परीक्षा की तिथि में हुआ परिवर्तन

केटी न्यूज/बक्सर

सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों में विशेष शिक्षा प्राप्त कर रहे वर्ग 5 एवं 8 के छात्र-छात्राओं के पुनः परीक्षा को लेकर जारी तिथि को संशोधित किया गया है। नई संशोधित तिथि के अनुसार 20 में को आयोजित होने वाली भाषा एवं अंग्रेजी की परीक्षा 27 मई को एवं 25 मई 2024 को आयोजित होने वाली राष्ट्रभाषा हिंदी एवं गतिविधियों का अवलोकन की परीक्षा 28 मई को ली जाएगी। शेष परीक्षा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही ली जाएगी। उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 29 से 30 मई की अवधि में किया जाएगा। ज्ञात होगी जिले के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वर्ग 5 एवं 8 के अनुत्तीर्ण एवं अनुपस्थित छात्र-छात्राओं के लिए पुनः परीक्षा ली जाएग। इस दौरान लोकसभा चुनाव को लेकर 20 एवं 25 मई की परीक्षा तिथि को संशोधित किया गया है। यह संशोधन लोकसभा चुनाव के पांचवे एवं छठा चरण को लेकर किया गया है। लोकसभा का पांचवा चरण का चुनाव 20 मई को एवं छठा चरण 25 मई 2024 को निर्धारित है। जिसको ध्यान में रखते हुए उक्त दोनों तिथियां की परीक्षा की तिथि में परिवर्तन किया गया है. जो क्रमशः 27 मई एवं 28 मई को ली जाएगी।

सपा ने अपने शासनकाल में वन जिला वन माफिया पैदा किया: बृजेश पाठक

केटी न्यूज/सुखपुरा

इंटर कॉलेज सुखपुरा में बुधवार को आयोजित विजय संकल्प नामांकन सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि यह चुनाव भारत माता को डायन कहने वालो और भारत माता की जय कहने वालों के बीच है। यह चुनाव कारसेवकों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालो के बीच है , आप किसे चुनना चाहेंगे? कहा कि हम वन जिला वन प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं वहीं सपा ने अपने शासनकाल में वन जिला वन माफिया पैदा किया।

2004 से 2014 तक की संयुक्त मोर्चा सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि उस सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे पैमाने तोड़ने दिये थे ,हद तो तब हो गई जब जिस पार्टी की सरकार थी उसी पार्टी के मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में थे। 2014 में जब मोदी जी आए तो विदेशों का दौरा करके दुनिया को भारत के वास्तविक ताकत का अहसास कराया। उन्होंने भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की तरफ बढ़ रहे हैं तो विपक्ष इसमें तरह-तरह का अड़ंगा पैदा करने का प्रयास कर रहा है। प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 80 सीट जीतने की जिम्मेदारी मोदी जी और योगी जी ने हम लोगों को दी है और उस पर हम लोगों को खरा उतरना है। आप सभी इसके लिए एनडीए के घटक दल सुभासपा, निषाद पार्टी,अपना दल और भाजपा के कार्यकर्ता संयुक्त रूप से प्रभात फेरी निकाले और तीसरी बार मोदी सरकार बनाने में सहभागी बने।

प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि हम लोग भारत को महान राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो विपक्ष का एक ही एजेंडा है कि मोदी को किसी तरह रोकना है ताकि उनके परिवार की राजनीतिक व आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। आज चारा,शराब और जमीन घोटालेबाज परेशान है। तीसरी बार मोदी की सरकार आएगी तो देश के लोगों की संपत्ति लूटने वाले जेल में होंगे। प्रदेश सरकार की ग्राम विकास राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने कहा कि हिंदू-मुसलमान और अगला-पिछला किये बिना आप तीसरी बार मोदी जी की सरकार बनाएं सलेमपुर से लेकर देश तक हैट्रिक लगाने का कार्य करें। सभा को सांसद रविंद्र कुशवाहा, विधायक केतकी सिंह, पूर्व विधायक भगवान पाठक,राजधारी, विधायक हंसु राम,जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विनोद शंकर दुबे,पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी,देवरिया जिला भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर धनंजय कनौजिया, नकुल चौबे, प्रमोद सिंह बुचू , बलराम उपाध्याय ,अश्विनी सिंह,अपना दल के राकेश पटेल,निषाद पार्टी शिव नारायण आदि मौजूद रहे।अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष संजय यादव व संचालन प्रदीप सिंह ने किया।

एक नजर

माफिया राज नहीं इस बार सुशासन की बनेगी सरकार: भुल्लन सिंह

गाजीपुर। भुड़कुड़ा कोतवाली के फूलपुर स्थित चंदा देवी ढड़निया आदर्श इंटर कॉलेज परिसर में भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय का जनसंवाद कार्यक्रम प्रबंधक भूलन सिंह की देख-रेख में आयोजित हुआ। प्रत्याशी पारस नाथ राय के काफिला का लोगों का जमकर ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया। इसके बाद प्रबंधक भुल्लन सिंह ने लगभग 150 की संख्या में सपा बसपा समर्थकों को बीजेपी जॉइनिंग कराया। इस मौके पर महिला और पुरुषों को उन्होंने भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। वह उपस्थित लोगों को भी फूलपुर इंटर कॉलेज पर जमकर लोगों ने कार्यकताओं का भी स्वागत किया। इंटर कॉलेज के छात्राओं ने स्वागत गीत सुनाकर स्वागत किया। प्रबंधक भुल्लन सिंह नें संबोधित करते हैं कहा कि गाजीपुर का विकास माफिया राज में रुक गया था। पांच वर्षों में कहीं भी विकास नहीं हुआ जो भी फंड मिला था वह रिटर्न हो गया। इस बार योगी सरकार ने ऐसे प्रत्याशी को भेजा है जो देश के भविष्य निखारने का कार्य किया। उनको समाज सेवा का अवसर मिला है। गाजीपुर जनपद को विकास के रुके हुए रथ को आगे बढ़ाएंगे और कश्मीर से कन्याकुमारी तक विकास कार्य दिखेगा। भाजपा प्रत्याशी पारस नाथ राय ने कहा कि गाजीपुर की जनता ने 2014 में सही निर्णय लिया था जिसका नतीजा रहा है कि गाजीपुर विकास कार्यों से पूरी तरह से विकास का बयार बही थी। रेलवे स्टेशन से लेकर गांव गांव में तथा शहरों में भी एक से बढ़कर एक प्रतिष्ठान लगे। आज उन प्रतिष्ठानों का लोगों के लिए मिल का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनोज सिन्हा जी ने रोजगार मेला का भी आयोजन किया था लेकिन समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने जमकर उत्पाद मचाया और वह रोजगार मेला बंद हो गया। 2019 में गलत निर्णय के चलते गाजीपुर का विकास रुक गया। गाजीपुर का संसदीय क्षेत्र ऐसे माफिया के हाथों चली गई जहां विकास तो नहीं हुआ लेकिन अपराध का ग्राफ बढ़ गया। लेकिन इस बार आप लोग एक मौका दें आपको विकास कार्य दिखेगा साथ ही 24 घंटे आपके दुःख सुःख में खड़ा रहूंगा।

शशि प्रकाश व विनीत राय ने किया वोटर प्रीमियर लीग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले का शुभारंभ

गाजीपुर। नेहरू विद्यापीठ इंटर कालेज के ग्रीन पार्क स्टेडियम में बुधवार से निर्वाचन आयोग के निर्देश पर वोटर प्रीमियर लीग क्रिकेट के सात -सात ओवरों वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले का भव्य शुभारंभ एडीओ पंचायत शशि प्रकाश राय व ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के जिला प्रवक्ता विनीत राय ने फीता काटकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। वोटर प्रीमियर क्रिकेट लीग के हुए तीन अलग -अलग क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रामपुर, मेदनीपुर और पकड़ी ने अपने- अपने मुकाबले जीत कर प्री-सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वोटर प्रीमियर लीग के खेले गए पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रामपुर ने टास जीतकर पहले खेलते हुए 47 रन बनाए। इसके जबाब में बल्लेबाजी करने उतरी गौरा की टीम मात्र 31 रन बनाकर आल आउट हो गई। इसके उपरांत खेले गये दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेदनीपुर ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 108 रन बनाए। इसके जबाब में खेलने उतरी उतरौली की टीम महज 48 रनों ने स्कोर पर सिमट गई। वोटर प्रीमियर क्रिकेट का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में टौंगा ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 रन बनाए। इसके जबाब में पकडी की टीम ने मात्र चार ओवरों में ही 38 रन बनाकर मुकाबला जीतने के साथ ही प्री सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस दौरान बोलते हुए एडीओ पंचायत शशि प्रकाश राय ने खिलाड़ियों सहित अन्य लोगों से आह्वान किया कि एक जून को होने वाले मतदान में शत प्रतिशत सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी को जी जान से लगना होगा। तभी मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है। इस अवसर पर सचिव रोहित कुमार, जितेन्द्र यादव, आलोक, दीपक सिंह यादव, मीनू , लालजी राय, विकास चौबे, महेंद्र उपाध्याय ,चंदन पांडेय, राकेश, राहुल यादव आदि मौजूद रहे। अम्पायर की भूमिका रवि राय व सुनिल राय। जबकि कमेंट्री की भूमिका जन्मेजय चौरसिया ने निभाई।

खबरें फटाफट

अवैध देशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चंदौली। इलिया पुलिस ने बनरसिया व खरौझा गांव के समीप बुधवार को कुल 210 पैक लेमन ब्लू अवैध देशी शराब 200 एम एल के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस बनरसिया व खरौझा गांव के समीप चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी बीच एक व्यक्ति ग्लैमर मोटरसाइकिल से पेटी बांधे बिहार की तरफ जाता दिखाई दिया। जिसे पुलिस ने रोक लिया और उसके बाइक पर बंधे पेटी की तलाशी लिया तो उसमें 180 पाऊच लेमन ब्लू देशी शराब पाई गई। दूसरी तरफ बनरसिया गांव के समीप से झोले में लेकर 30 पाउच देशी शराब के साथ एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक हरिश्चंद्र सरोज ने बताया कि पकड़ा गया शराब तस्कर शहनवाज अंसारी बिहार प्रांत के कैमूर जिला अंतर्गत डरवन व सुनील चौहान हाटां भभुआ कैमूर का निवासी है। दोनों तस्करों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है वही बाइक को सीज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

अवैध खनन में लिप्त पोकलेन सीज

चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के मोहरगंज चौकी अन्तर्गत सेवई के पुरवा मे विगत दस दिनों से पोकलेन से अवैध ढंग से खुदाई कर सड़क निर्माण के लिये डम्फर से दिन रात धड़ल्ले से मिट्टी को ले जाया जा रहा था। इस तरह के खनन को सरकारी काम बता कर अवैध ढंग से खनन संचालित किए जाने का मामला पकड़ में आया है। जब खनन अधिकारी मंगलवार की देर रात को खनन के स्थल पर पहुंचे तो वहां का नजारा देख अचंभित हो गये। खनन कर रहे लोगों से एनओसी सहित अन्य कागजात दिखाने को कहने पर वे लोग एक दूसरे का मुंह देखने लगे। जिसपर खनन कर रही पोकलेन को सीज कर दिया। वहीं वहां खनन में प्रयुक्त डम्फर को लेकर चालक फरार हो गये। पोकलेन को सीज कर वही स्थानीय प्रधान व भूमि स्वामी की सुपुर्दगी में दे दिया। बलुआ पुलिस को सीज की कार्यवाही से अवगत कराते हुए आवश्यक कागजात और पोकलेन को सुरक्षित रखवाने सम्बंधित कार्यवाही पूर्ण किया।

बलिया लोकसभा सीट: डूबती नैया का कौन बनेगा खेवनहार?

भाजपा-सपा में कांटे की टक्कर बसपा कर रही है जीत का दावा

अखिलानंद तिवारी/बलिया

लंबे समय से अपनी- अपनी राजनीतिक खेती तैयार करने में जुटे नेतागणों के फसल काटने के दिन करीब आ गए हैं। देखा जाए तो पांच साल बाद फसल पककर तैयार है। प्रत्येक दल के उम्मीदवार व समर्थक अपना झंडा-डंडा लेकर खेत का मालिक होने का दावा ठोंक रहे हैं। 2024 के चुनावी महासमर में कई नेताओं की नैया डूब सकती है, तो कुछ के खेवनहार भी मिल गए हैं।

बलिया लोकसभा सीट की बात करें तो भाजपा एवं सपा में कांटे की टक्कर होना तय माना जा रहा है। जबकि बसपा दलित और अल्पसंख्यक मतों के सहारे जीत का दावा ठोंक रही है। बलिया लोकसभा सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर को बीजेपी ने इस बार उम्मीदवार बनाया है। नीरज शेखर वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं। वह दो बार बलिया लोकसभा सीट से सांसद भी रह चुके हैं। इस लोकसभा सीट पर जीत एक बड़ी चुनौती बन गई है। देखा जाए तो कांटे की टक्कर के बावजूद भाजपा प्रत्याशी का दर्द अपनों के बीच छलक रहा है। दर्द के भाव कुछ यूं कह सकते हैं...। जब चलना नहीं आता था, तब कोई गिरने नहीं देता था। जब चलना सीख लिया, तो हर कोई गिराने में लगा हैं।

वह दौर था जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर अपने बेटों को राजनीति से काफी दूर रखे। लोग बताते हैं कि चंद्रशेखर के निधन के बाद वर्ष 2007 के उप चुनाव में नीरज शेखर को राजनीति का ज्ञान तक नहीं था। लेकिन राजनीति की लंबी पारी खेलकर सियासत में अब वह परिपक्व हो चुके हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने नीरज शेखर पर दाव लगाया है। जबकि समाजवादी पार्टी ने अपने पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सनातन पांडेय को एक बार फिर चुनाव मैदान में उतारा है। बलिया में सातवें चरण में एक जून को मत डाले जाएंगे। पिछले दो लोकसभा चुनावों पर नजर डालें तो वर्ष 2009 एवं 2014 में यह सीट भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई थी। इस लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा हैट्रिक लगाने की तैयारी में जुटी है, वहीं सपा पुनः वापसी करने में अपना पूरा दमखम लगा रही है। जबकि बहुजन समाज पार्टी इस सीट पर अपनी स्थिति बेहतर करने में जुटी है।

पुराने फामूर्ले पर हैट्रिक की तरफ बढ़ रही है भाजपा: सपा के मुखिया जहां पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक यानी पीडीए फ्रंट के जरिए इस सीट पर बढ़त बनाने की कोशिश करते दिखाई दे रही है। सपा उम्मीदवार गठबंधन को लेकर अपनी जीत सुनिश्चित मान रहे हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी अपने पुराने फामूर्ले से जीत की तरफ बढ़ रही है। उधर बसपा की नजर दलित और अल्पसंख्यक वोट पर गड़ी है। इस बार बसपा उम्मीदवार के चुनाव मैदान में उतारने के बाद देखना है कि सपा की नैया डूबेगी या कोई उसे खेवनहार मिलेगा? भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर की सपा से सीधी टक्कर एवं हार का खतरा महसूस हो रहा है। अब उम्मीदवारों की डूबती नैया कैसे पार लगेगी यह समय बताएगा ?

वर्ष	प्रत्याशी	पार्टी	वोट
2019	वीरेंद्र सिंह मस्त	भाजपा	469114
दूसरा स्थान:	सनातन पांडेय	सपा	4,53,595
2014	भरत सिंह	भाजपा	3,59,758
दूसरा स्थान:	नीरज शेखर	सपा	2,20,324
2009	नीरज शेखर	सपा	2,76,649
दूसरा स्थान:	संग्राम सिंह यादव	बसपा	2,04,094
2004	चंद्रशेखर	एसजेपी (आर)	2,70,136
दूसरा स्थान:	कपिलदेव यादव	बसपा	1,89,082
1999	चंद्रशेखर	एसजेपी (आर)	2,35,946
दूसरा स्थान:	रामकृष्ण मिश्रा	भाजपा	1,80,271
1998	चंद्रशेखर	एसजेपी (आर)	260544
दूसरा स्थान:	रामकृष्ण मिश्रा	भाजपा	2,31,060
1996	चंद्रशेखर	एसएपी	3,05,592
दूसरा स्थान:	जगन्नाथ चौधरी	कांग्रेस	118987
1991	चंद्रशेखर	जनता पार्टी	2,13,066
दूसरा स्थान:	जगन्नाथ चौधरी	कांग्रेस	1,54,518
1989	चंद्रशेखर	जनता दल	2,51,997
दूसरा स्थान:	जगन्नाथ चौधरी	कांग्रेस	1,61,016
1984	जगन्नाथ चौधरी	कांग्रेस	2,25,984
दूसरा स्थान :	चंद्रशेखर	जेएनपी	1,72,044
1980	चंद्रशेखर	जेएनपी	1,59,901
दूसरा स्थान:	जगन्नाथ चौधरी	कांग्रेस	1,36,313
1977	चंद्रशेखर	बीएलडी	2,62,641
दूसरा स्थान:	चंद्रिका प्रसाद	कांग्रेस	95,423
1971	चंद्रिका प्रसाद	कांग्रेस	1,67,724
दूसरा स्थान:	शिवदत्त	एनसीओ	50, 207
1967	सी प्रसाद	कांग्रेस	64,643
दूसरा स्थान:	रामेश्वर	एसएसपी	44,930
1962	मुरली मनोहर	कांग्रेस	1,06,245
दूसरा स्थान:	बैजनाथ	पीएसपी	70,452
1957	राधा मोहन	कांग्रेस	96,501
दूसरा स्थान:	राम नगीना	पीएसपी	50,706

14 मई तक भरा जाएगा नामांकन का फार्म

चंदौली। नाम निर्देशन करने का अंतिम दिन 14 मई मंगलवार निर्धारित है। नाम निर्देशन की संवीक्षा 15 मई, नामांकन वापस लेने की तिथि 17 मई की शाम तीन बजे से पूर्व और मतदान एक जून को सुबह सात से शाम छह बजे तक होगा। वहीं मतगणना का कार्य चार जून को होगा। उपरोक्त निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन की प्रक्रिया सुबह 11 से शाम तीन बजे तक कलेक्ट्रेट स्थित जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष में संपन्न की जा रही है। 11 मई को द्वितीय शनिवार व 12 को रविवार लोक अवकाश होने के कारण नामांकन नहीं होगा।

श्यामलाल को सपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर जताई खुशी

चंदौली। पाल विकास समिति की बैठक बसनी गांव में बुधवार को आयोजित की गयी। इसमें समाजवादी पार्टी द्वारा श्यामलाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। पाल विकास समिति की बैठक बुधवार को बसनी गांव में आयोजित की गई। इसमें समाज के लोगों ने श्यामलाल पाल को समाजवादी पार्टी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी जाहिर की गई। वक्ताओं ने कहा कि पाल समाज ही नहीं बल्कि पिछड़ों,अल्पसंख्यको, एससी एसटी सहित शोषितों का समाजवादी पार्टी में ही सम्मान सन्हित है।पाल समाज के व्यक्ति को प्रदेश की कमान देकर इसका उदाहरण देने का काम किया है। वैसे भी भाजपा शासन काल में सभी वर्ग के लोगों का शोषण किया जा रहा है।

बसपा उम्मीदवार सत्येंद्र मौर्य ने किया नामांकन

केटी न्यूज/चंदौली

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया के दूसरे दिन बुधवार को नामांकन कार्य का खाता खुल गया। कलेक्ट्रेट में बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार सत्येंद्र मौर्य ने जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी फुंडे के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं उम्मीदवारी के लिए दो निर्दल व तीन अन्य सहित पांच ने पर्चे खरीदे। नामांकन की प्रक्रिया सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। कलेक्ट्रेट के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर अंदर तक पुलिस तैनात रही। प्रत्येक व्यक्ति की जांच के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही थी। उम्मीदवार के साथ केवल चुनिंदा लोगों को ही अंदर प्रवेश दिया जा रहा है। बुधवार को नामांकन की समय सीमा समाप्त होने तक केवल बसपा के उम्मीदवार ने ही अपना नामांकन किया।

लग्जरी वाहन, असलहों के शौकीन हैं सत्येंद्र

बसपा के उम्मीदवार की ओर से प्रस्तुत किए गए आय और व्यय के ब्योरे में उनके स्वयं के खाते में 9 लाख 63 हजार 70 रुपये हैं। वहीं उनकी पत्नी मनोरमा देवी के खाते में 4.98710 लाख रुपये हैं। उनके ऊपर न्यायालय में कोई मुकदमा नहीं है। उनके हाथ में नकदी ढाई लाख और पत्नी के सवा लाख रुपये हैं। सोने की दो चेन, चार अंगूठी कुल 90 ग्राम है। उनके पास कुल सकल मूल्य दो करोड़ की संपत्ति है। वह स्वयं व्यापार प्रापर्टी डीलर हैं और पत्नी भी व्यापार करती हैं। सत्येंद्र मौर्य ने इंटर तक की शिक्षा ग्रहण की है। यहीं नहीं असलहा और लग्जरी वाहन के शौकीन भी है।

सलेमपुर से भाजपा के रविंद्र कुशवाहा ने भरा नामांकन

केटी न्यूज/बलिया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु लोकतंत्र के महापर्व में 71-सलेमपुर और 72- बलिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र लेने और दाखिल करने का कार्य शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हुआ। बुधवार को नामांकन के दूसरे दिन बलिया संसदीय क्षेत्र के लिए 10 और सलेमपुर के 03 निर्दलीय व राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र लिया। सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के रविंद्र कुशवाहा ने रिटर्निंग ऑफिसर ओजस्वी राज के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था व बैरीकेडिंग के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं। मुख्य गेट पर मेटल डिटेक्टर लगाये गये हैं जहां चेकिंग के पश्चात अन्दर के लिये प्रवेश दिया जा रहा है।

बीफ और इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े सवाल पर पसीना-पसीना हो गए रविंद्र कुशवाहा

तिलक कुमार। सलेमपुर से भाजपा प्रत्याशी जिस उत्साह के साथ नामांकन करने आए थे, नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद उनका उत्साह उस समय ठंडा पड़ गया जब पत्रकारों ने उनसे बीफ और इलेक्टोरल बॉन्ड पर सवाल पूछना शुरू कर दिए। इस दौरान उन्होंने रिझते हुए कहा कि यह सब मेरे स्तर का मामला नहीं है, वैसे भी कांग्रेस पहले अपने चंदे का हिसाब दें बाद में हमसे मांगें। कलेक्ट्रेट में नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पत्रकारों से मुखातिब होते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को खरी खोटी सुनाई। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में जबसे केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है, तब से लगाकार उत्तर प्रदेश में सपा को हार का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन उनका बड़बोलपन नहीं जा रहा है। इस दौरान इलेक्टोरल बॉन्ड के एक सवाल पर उन्होंने कहा कि सिकंदरपुर के जियाउद्दीन रिजवी राहुल गांधी की भाषा बोलते हैं। वैसे भी इलेक्टोरल बॉन्ड मेरे स्तर का मामला नहीं है। पत्रकारों ने जब बीफ कंपनी से चंदा लेने का सवाल पूछा तो रवींद्र कुशवाहा पसीना गए और इधर–उधर की बातें कर सवालों को डायवर्ट करते नजर आए।

चंदौली लोकसभा: व्यय प्रेक्षक ने अफसरों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

सर्विलांस, फ्लाइंग स्क्वॉड समन्वय बनाकर करें काम

केटी न्यूज/चंदौली

लोक सभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत लोक सभा क्षेत्र चंदौली (76) में नियुक्त व्यय प्रेक्षक ऋषि स्क्वॉडआर एस) ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा कि सभी एसएसटी टीमें, सर्विलांस टीमें व फ्लाइंग स्क्वॉड आपस में समन्वय बना कर कार्य करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही न की जाए। बार्डर पर विशेष चौकसी बरती जाए। यदि कोई संदिग्ध वाहन बिना चेकिंग के निकल जाता है तो उसकी सूचना संबंधित जनपद को अवश्य दी जाए। सभी टीमें दूसरी टीमों के सदस्यों का मोबाइल नंबर अवश्य अपने पास रखे। ड्यूटी के समय सभी टीमों में समन्वय अवश्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं होती। ऐसे में पूरी तत्परता व आयोग की गाइड लाइन के अनुसार कार्य करें। यदि भूल वश कोई गलती हो जाती है तो उसे छुपाएं नहीं बल्कि तुरंत अपने उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं। गर्मी को देखते हुए अपना और अपनी टीम का विशेष ख्याल रखें और आयोग की गाइडलाइन के अनुसार संपूर्ण चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभय कुमार पांडेय ने प्रेक्षक को अब तक की हुई कार्रवाई /तैयारी के बारे में विस्तार से अवगत कराया। सभी व्यय और लेखा टीमों को नियमानुसार कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी व्यय व लेखा टीमें आयोग की ओर से दिए गए निदेर्शों के अनुसार अपना कार्य प्रतिपादित करें।अपर जिलाधिकारी न्यायिक डा. के एस पांडेय ने कंट्रोल रूम की कार्रवाई के बारे में अवगत कराया। बताया कि कंट्रोल रूम में अब तक कुल 242 और सी विजील पर कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनका निस्तारण कराया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि आचार संहिता प्रारंभ होने से अब तक लगभग 1047000 रुपये की लीकर जब्ती कराई गई है। इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक लगभग 51.5 लाख रुपये नकद व लगभग 13 किलो चांदी की जब्ती की गई है। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, ट्रेजरी आफिसर, लीड बैंक मैनेजर,जिला सूचना अधिकारी, लेखा टीमों के सदस्य उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिवक्ताओं ने बोला हल्ला

केटी न्यूज/गाजीपुर

दी- तहसील बार एसोसिएशन जखनियां के अध्यक्ष श्रीप्रकाश वर्मा, महामंत्री संतोष सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता रामजी यति सहित अधिवक्ताओं ने बार हाल में बैठक कर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर छह सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह सहित उच्चाधिकारियों को भेजें। अधिवक्ताओं ने कहा कि तहसील में भ्रष्टाचार वादकारी व अधिवक्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। सभी अधिवक्ताओं ने पूर्व प्रस्ताव में उपजिलाधिकारी जखनियां से निराकरण के लिए मांग किया गया, लेकिन उप जिलाधिकारी जखनियां द्वारा कोई प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसे सभी अधिवक्ता क्षुब्ध हो गए। सभी अधिवक्ता एक राय होकर

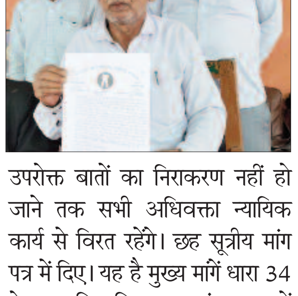

उपरोक्त बातों का निराकरण नहीं हो जाने तक सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। छह सूत्रीय मांग पत्र में दिए। यह है मुख्य मांगें धारा 34 के अविवाहित नामांतरण में जानबूझकर आदेश पारित करने व विलंब करना। नामांतरण की कार्रवाई में मुख्य विलंब यह बताया जा रहा है कि लेखपाल की रिपोर्ट नहीं आई है। जबकि लेखपाल का बयान व रिपोर्ट कोर्ट को अपने स्तर से समय अवधि के अंदर मांगना चाहिए,जिसके अभाव में समय से आदेश न करना वह नामांतरण में सरलीकरण न कर हैरान व परेशान करना। धारा 30 व धारा 38 की पत्रावली में समय से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करना, बल्कि अधिकारियों द्वारा अपने पास रखकर विलंब करना। कंप्यूटर में आदेश के अनुपालन में विलंब करना। तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करना जिसके बाबत पूर्व में प्रस्ताव किया जा चुका है। नायब तहसीलदार जलालाबाद के कार्य व्यवहार व मनमाने पूर्ण रवैया अपनाने के कारण जनता व अधिवक्ताओं में अत्यधिक रोष व्याप्त है। इस मौके पर रामजी यति, अखिलेश चौहान, नगीना सिंह कुशवाहा, हरेंद्र यादव, सुरेंद्र सिंह, श्रीप्रकाश वर्मा, संतोष लाल श्रीवास्तव मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

दलितों के विकास के लिए कांशीराम के रास्ते पर चल रहा हूं: ओपी राजभर

मऊ। घोसी लोकसभा का चुनावी पारा अब धीरे- धीरे चढ़ने लगा है। आरोप-प्रत्यारोप के सिलसिले भी काफी तेज हो गए हैं। ऐसे में चुनाव जीतने का दावा करते हुए सभी पार्टियों के प्रत्याशी मतदाताओं को साधने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के बड़े बेटे अरविंद राजभर दलित बस्तियों में जनसंपर्क तेज कर दिए हैं। एक तरफ जहां दलित मतदाताओं को साधने के लिए दलित बस्तियों में जनसंपर्क किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के द्वारा दलित समाज के लोगों के साथ मिलकर समारोह किया जा रहा है। मऊ नगर के गाजीपुर तिराहा स्थित एक निजी प्लाजा में सुभासपा के तत्वावधान में दलित परिचय समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री ओमप्रकाश राजभर और विशिष्ट अतिथि के रूप में अरविंद राजभर पहुंचे। समारोह में घोसी लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न जगहों से पहुंचे ग्राम प्रधान और पंचायत सदस्य शामिल हुए। इस दौरान वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि मैं कांशीराम के नक्शे कदम पर चल रहा हूं। इसीलिए आप सभी हमारा साथ दीजिए और एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने का काम करिए।

देश में भाजपा व मोदीजी की लहर :राजेश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव के राममंदिर के बयान की कड़ी निंदा करते हुए भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उत्तर प्रदेश राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया ने कहा कि ये सपाई नेता लगातार हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने वोट के लिए राजनीति का स्तर गिरा दिया है। हिन्दू समाज चुनाव में इन्हें सबक सिखाने को कमर कस लिया है। कहा कि पूरे देश में भाजपा व मोदीजी की लहर दौड़ रही हैं और पुन: 400 सीट पार कर मोदीजी प्रधानमंत्री बनेंगे।

वाराणसी में पीएम मोदी का 13 को रोड़ शो, स्वागत की तैयारी

- 14 मई को पीएम नरेन्द्र मोदी करेगें नामांकन
- प्रस्तावक हो सकते हैं पप्पू चाय, केशव पान वाले सहित अन्य लोग

केटी न्यूज/ वाराणसी

लोकसभा चुनाव की सबसे हॉट सीट बनारस में नामांकन की प्रकिया मंगलवार 7 मई से शुरू हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नामांकन प्रक्रिया अंतिम दिन यानी 14 मई को काशी में नामांकन करेंगे।नामांकन के 1 दिन पहले पीएम मोदी काशी में रोड शो भी करेंगे। 13 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीएचयू के सिंह द्वार से रोड शो की शुरूआत करेंगे। बीजेपी के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने बताया कि पार्टी कार्यकताओं के अलावा समाजसेवी संस्थाएं और काशी वासी जगह-जगह पीएम मोदी का स्वागत करेंगे। पूरे रोड शो के दौरान करीब 2 दर्जन से अधिक जगहों पर उनके स्वागत की तैयारी है। रोड शो के दौरान 100 क्विंटल फूलों से उनपर पुष्प वर्षा होगी। इतना ही नहीं काशी में जगह-जगह उनके स्वागत की तैयारी भी की गई है। रोड शो के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे और बाबा से आशीर्वाद लेंगे। संभावना है कि पीएम कालभैरव मंदिर जाकर भी मत्था टेक सकते हैं। इसके बाद अगले दिन यानी 14 मई को पीएम मोदी काशी से तीसरी बार नामांकन दाखिल करेंगे।

छह प्रस्तावित नामों की पुष्टि : पीएम नरेंद्र मोदी का बनारसी पान और चाय से खास कनेक्शन बन चुका है। इस लोकसभा चुनाव में मोदी के प्रस्तावकों में आम लोग भी शामिल हो सकते हैं। सूची में बनारस के टी स्टॉल और पान वाले का नाम भी शामिल है। बनारस से 50 विशेष लोगों की सूची पीएम कार्यालय को भेज दी गई है। इनमें से 6 प्रस्तावित नामों की पुष्टि हो गई है। इनमें पप्पू चाय वाले और शहर के सबसे चर्चित केशव पान वाले का नाम शामिल हो सकता है। जबकि पद्म भूषण प्राप्त एक बड़े कलाकार ने अमेरिकी दौरे के चलते प्रस्तावक बनने से इनकार कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने अकबरपुर लोकसभा सीट के लिए जनसभा को किया संबोधित

अकबरपुर का नाम लेने में भी संकोच होता है, गुलामी के निशान समाप्त करेंगे: योगी

- लोकसभा चुनाव में एक तरफ रामभक्त तो दूसरी तरफ रामद्रोही
- सपा और कांग्रेस पर योगी का हमला, क्षेत्र और जाति के नाम पर लड़ाते हैं रामद्रोही

केटी न्यूज/कानपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि तीन चरण के चुनाव संपन्न होने के साथ ही देश की आधी लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश में एक ही आवाज गूंज रही है, 'फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार।' उन्होंने कहा कि इस नारे ने ऐसा जादू किया है कि विपक्षी चारों खाने चित्त हो गये हैं। जब उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है तो भारत के खिलाफ साजिश में लिप्त हो गये हैं। विपक्षी दलों के बयानों को पढ़ने से स्पष्ट हो चुका है कि ये चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच में हैं। जो रामभक्त हैं वही राष्ट्रभक्त भी हैं। सीएम योगी यहां घाटमपुर स्थित पतारा रेलवे स्टेशन मैदान में आयोजित अकबरपुर लोकसभा सीट के लिए विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पार्टी प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के पक्ष में जनता से वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अकबरपुर का नाम ही ऐसा है कि बार बार बोलने में संकोच लगता है। ये सब बदल जाएगा। हमें गुलामी के निशानों को समाप्त और विरासत का सम्मान करना है। इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा के साथ जोड़ना है। इसके लिए जो अभियान देश में शुरू हुआ है, उसमें हमें भी एक वोट के साथ सहभागी बनना है।

रामद्रोही हमें जाति, क्षेत्र के नामपर लड़ाने का काम कर रहे: मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सनातन सत्य है कि रामद्रोहियों का पतन हमेशा हुआ है। 2024 का लोकसभा चुनाव इस शाश्वत सत्य की पुष्टि करने वाला है। उन्होंने कहा कि ये केवल सरकार बनाने का चुनाव नहीं है। एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में देश को नये और आत्मनिर्भर भारत के रूप में स्थापित किया जा रहा है, दूसरी तरफ रामद्रोही हमें जाति, क्षेत्र के नामपर लड़ाने का काम कर रहे हैं। आतंकियों का महिमामंडन और माफिया को गले का हार बनाया जा रहा है। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के अधिकारों को अल्पसंख्यकों को देने की साजिश रची जा रही है।

कांग्रेस हमेशा विभाजन की राजनीति करने वाली: सीएम योगी ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान सपा और बसपा बिन मांगे कांग्रेस का समर्थन कर रहे थे। तब रंगनाथ मिश्रा कमेटी ने पिछड़ी जाति के आरक्षण से 6 प्रतिशत काटकर मुसलमानों को देने की सिफारिश की थी। भाजपा ने जब इसका पुरजोर विरोध किया तो कांग्रेस को वह प्रस्ताव वापस लेना पड़ा था। फिर सच्चर कमेटी का गठन किया गया, कांग्रेस ने साजिश की कि अनुसूचित जाति और जनजाति में मुसलमानों की कुछ जातियों को शामिल कर दिया जाए। कांग्रेस हमेशा विभाजन की राजनीति करने वाली रही है। इन्होंने देश का विभाजन किया। देश के अलग अलग भागों में आतंकवाद और अलगाववाद को पनपाने का काम किया। कांग्रेस ने इस बार भी अपने मेनिफेस्टो में कहा है कि वह इस प्रकार के आरक्षण को देने का काम करेगी।

आज माफिया मिट्टी में मिल चुका है: मुख्यमंत्री ने कहा कि परम रामभक्त और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर कांग्रेस और सपा की ओर से संवेदना का कोई शब्द नहीं निकला था। प्रयागराज में राजू पाल की हत्या पर भी कोई संवेदना व्यक्त नहीं की गई। अधिवक्ता उमेश पाल की हत्या पर हमने कहा था किसी ने अगर पिछड़े के बेटे को मारा है तो वह माफिया मिट्टी पर मिलेगा। और आज माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। जो कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि नहीं दे सके वो माफिया के घर फातिहा पढ़ने गये। इनकी संवेदना माफिया के प्रति है। इनकी संवेदना रामद्रोहियों के प्रति है।

सपा सरकार में यहां तमंचे बनते थे, अब तोपें बनेंगी: सीएम योगी ने कहा कि सरकार सर्वे करा रहे हैं कि इस क्षेत्र में गन्ने की गुंजाइश होगी तो यहां शुगर और इथनॉल कॉम्पलेक्स का विकास किया जाएगा। सपा सरकार में यहां तमंचे बनते थे, कानपुर डिफेंस कॉरीडोर में देश के लिए तोपें बनेंगी। यहां की तोप जब सीमा पर गरजेगी तो कानपुर और यूपी का नाम सबके जेहन में छा जाएगा। जब दुश्मन देश की सेना धराशाई होंगी तो उसके साथ कानपुर डिफेंस कॉरीडोर का नाम सबसे ऊपर उभर के आएगा। आज यहां बन रहा गोला बारूद पूरी दुनिया को जा रहा है। ये काम केवल भाजपा सरकार कर सकती है। चाहे बात फ्री राशन की हो या फ्री उपचार की, बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई और शादी की व्यवस्था की हो या फिर बेटी और व्यापारी को सुरक्षा देने का कार्य आपका एक वोट नये भारत का दर्शन करा रहा है। सीएम योगी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि जो देश का विभाजन करने के लिए जिम्मेदार हैं वो आगे भी आपको बांटने का कार्य करेंगे। हमें मोदी जी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान, प्रतिभा शुक्ला, विधायकगण नीलिमा कटियार, अभिजीत सिंह सांगा, सरोज कुरील, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, सांसद प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले, पूर्व मंत्री अरुणा कोरी, भाजपा के उपाध्यक्ष देवेश सोनी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

एक नजर

प्रायोगिक शिक्षा की संपूर्णता के लिए छात्रों का औद्योगिक भ्रमण जरूरी: प्रो. वंदना सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण को कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए बुधवार को रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि शिक्षा केवल कक्षाओं में ग्रहण नहीं होती। सैद्धांतिक शिक्षा को पूर्ण करने के लिए प्रायोगिक शिक्षा जरूरी है। औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया की अपने भ्रमण में व्यवसाय प्रबंध के औद्योगिक क्षेत्र में नवीनतम आचरण एवं नवाचार को सीखे जिससे वे कुशल प्रबंधक बन सके। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. प्रमोद कुमार कौशिक, राजेंद्र सिंह, मोहित सिंह भाटिया, समरीन तबस्सुम एवं बी.बी.ए. के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीएम ने प्रत्येक गाड़ी पर स्टीकर लगाकर मतदान के प्रति किया जागरूक

जौनपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से तमाम तरह के मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं इसी क्रम में आज नगर की एक पेट्रोल पंप पर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरने आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के गाड़ी पर स्टीकर चिपक कर जागरूक करने के लिए जिलाधिकारी ने स्टीकर चिपकाकर कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया साथ ही उन्होंने उपस्थित डीलरों को मतदाता जागरूकता के लिए शपथ भी दिलाई। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत पोस्टर अभियान एक वोट एक पौधारोपंड जो कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखें साथ ही घर आजा परदेसी कार्यक्रम के तहत परदेश में भी रहे लोगों को बुलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरने आने वाले उपभोक्ताओं की गाड़ियों पर स्टीकर चिकाया जा रहा है जिससे वह खुद मतदान के लिये प्रोत्साहित हो और अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करें।

रेलवे अंडर पास की माग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगो ने हटाया चुनाव बहिष्कार का बैनर

मऊ। दोहरीघाट रेलवे स्टेशन के बहादुरपुर गांव के पास रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर दर्जनों गांव वासियों द्वारा विगत एक वर्ष से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है और अब मतदान के बहिष्कार की चेतावनी दिए जाने पर प्रशासन द्वारा पहल की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर रेलवे अधिकारी समेत उप जिलाधिकारी घोसी व पुलिस क्षेत्राधिकारी राजस्व टीम समेत फोर्स के साथ बहादुरपुर दोहरीघाट रेलेवे स्टेशन के पास पहुंचे। जहां ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। ग्रामीणों के बीच पहुंचे उपजिलाधिकारी ने गांव वासियों से एक सप्ताह का समय मांगते हुए लोगों से मतदान करने की अपील करते हुए लोकसभा चुनाव में मतदान बहिष्कार में लगे पोस्टर को हटाने की अपील किया। गांव वासियों को आश्वस्त करते हुए रेलवे के सेक्शन इंजीनियर एएस अंसारी से कहा कि बहादुरपुर गांव के समीप अंडरपास क्रासिंग का सर्वे किया गया है। जो रेलवे बोर्ड गोरखपुर को व दिल्ली रेल मंत्रालय को भेज दिया गया है। स्वीकृति मिलते ही अंडरपास बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। उपजिलाधिकारी आनंद कुमार कन्नौजिया ने गांव वासियों से कहा कि आप लोग इस लोकतंत्र का महापर्व चुनाव का बहिष्कार न करने की अपील किया । कहा कि राष्ट्र के नव निर्माण में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। आप लोग मतदान बहिष्कार का निर्णय वापस ले एक सप्ताह के भीतर ही अंडरपास की प्रक्रिया में तेजी दिखेगी। इस बाबत बहादुरपुर ,पतनई ,सरया ,गोधनी आदि दर्जनों गांव वासियों ने बहिष्कार के निर्णय को वापस लिया तथा लागातार चल रहे धरना प्रदर्शन व मतदान न करने के बैनर पोस्टर को हटाया।

टीबी मुक्त भारत बनाना हम सबकी जिम्मेदारी: सीएमओ

केटी न्यूज/जौनपुर

बुधवार को विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रास जौनपुर ईकाई द्वारा रेडक्रास भवन पर बड़ी संख्या में उपस्थित टीबी मरीजों को पोषण पोटली एवं महिलाओं को पोषण पोटली के साथ ही हाइजिन किट का वितरण किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डा. लक्ष्मी सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री का संकल्प है कि, 2025 तक भारत में टीबी के मरीजों की संख्या समाप्त हो जाय और भारत टीबी मुक्त देश बन जाय । टीबी की बीमारी सही खान-पान व नियमित दवा के सेवन से ठीक हो रही । बड़ी संख्या में लोग टीबी से ठीक हो चुके हैंऔर जो बचे हैं,वह भी 2025 तक सही हो जायेंगे। प्रधानमंत्री का टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने में हम सभी के सहयोग की जरूरत है । इसी क्रम में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जौनपुर द्वारा ब्लॉक सिरकोनी के वर्ष 2024 में गोद लिए गए कुल 53 क्षय रोगियों को पोषण किट और हाइजिन किट का वितरण रेडक्रास भवन, जौनपुर में मुख्य चिकित्साधिकारी की उपस्थिति में किया गया। रेडक्रास सोसायटी जौनपुर इकाई के सभापति डा.आर.के.सिंह, एसीएमओ डा.राजीव कुमार,सचिव डॉ. मनोज वत्स, कोषाध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय, डीटीओ राकेश सिंह, डा. अंजू सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर चन्द्रेश द्विवेदी,प्रकांत दूबे,रवि सिंह ,डा. एसएन सिंह, डा.विमला सिंह, विद्याधर राय विद्यार्थी,आशीष श्रीवास्तव, सलिल यादव, अरुण मौर्य, बल्लभ सेठ, हर्ष श्रीवास्तव, नितिन चौरसिया आदि उपस्थित रहे ।

मिर्जापुर में बालू लदे एक ट्रक के ड्राइवर की हत्या, खलासी फरार

केटी न्यूज/मिर्जापुर

मिजार्पुर में एक बालू लदे ट्रक पर ट्रक ड्राइवर का शव मिला है। लोगों ने देखते ही इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फारेंसिक टीम ने मौके पर घटना की जांच की। पुलिस ने बताया कि ट्रक का खलासी मौके से फरार है। पुलिस ने आशंका जताई है कि ड्राइवर की हत्या खलासी ने ही की है। मृतक की पहचान मड़िहान थाना क्षेत्र के शिस्ताखुर्द गांव के राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि युवक बिहार के गया से बालू लाद कर यहां आया था। उसके साथ खलासी भी आया था। पूरा मामला कटरा कोतवाली इलाके के बरौंधा तिराहा के पास का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, और खलासी की तलाश कर रही है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि भोजन बनाने के दौरान आपसी विवाद में खलासी हत्या करके फरार हुआ है। जो 15 दिन पूर्व काम पर आया था, जबकि चालक ने चार दिन पहले ही नए मालिक के यहां काम शुरू किया था। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ट्रक ड्राइवर और खलासी में कुछ विवाद हुआ। इसके बाद इस घटना को अंजाम दे खलासी फरार हो गया।

व्यय प्रेक्षकों और डीईओ ने लोकसभा चुनाव में लगी व्यय अनुवीक्षण टीमों के साथ की बैठक

प्रत्याशियों द्वारा किए खर्च की ठीक से करें मॉनिटरिंग: दुबे

केटी न्यूज/बलिया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा लोकसभा क्षेत्र 71-सलेमपुर के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक बालासुब्रमण्यम अनंतनारायण और 72-बलिया के लिए नियुक्त प्रेक्षक वेंकटेश एस एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार की उपस्थिति में समस्त उड़नदस्ता, स्थैतिक निगरानी एवं विडियो अवलोकन मजिस्ट्रेट, समस्त नोडल अधिकारी, सहायक व्यय प्रेक्षक एवं लेखा टीम प्रभारियों के साथ गंगा बहुउद्देशीय सभागार में बैठक संपन्न हुई। इस बैठक मे लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 से संबंधित किए जाने वाले व्यय के सम्बन्ध मे चर्चा की गयी।

बैठक में वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दुबे ने लोकसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशियों द्वारा किए जाने वाले खर्च की निगरानी के लिए गठित की गई टीम और उनके प्रभारियों से प्रेक्षकों का परिचय करवाया और व्यय के लिए की जाने वाली कार्रवाइयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक के दौरान प्रेक्षकों द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया कि सभी प्रत्याशियों का निर्वाचन के उद्देश्य से किये जाने वाले व्यय का भुगतान बैंक के माध्यम से नया खाता खोलकर किया जाना है। उन्होंने सभी सहायक व्यय प्रेक्षकों को निर्देशित किया कि व्यय अनुवीक्षण टीम मे लगे समस्त टीमों से दैनिक आधार पर सूचना प्राप्तकर छाया प्रेक्षण रजिस्टर मे अंकन कराना सुनिश्चित करेगें। उन्होंने प्रत्याशियों के खर्च को ठीक ढंग से मॉनिटरिंग करने तथा साक्ष्य के साथ समस्त अभिलेखों को रखने में सावधानी बरतने का निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार ने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशांनुसार व्यय अनुवीक्षण के सभी प्रकार की टीमें गठित की गई है, जो विभिन्न क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, अवैध रूप से पैसों का आवागमन,आपत्तिजनक वस्तुएं, जनसभाओं में दिए जाने वाले भाषणों सहित अन्य प्रकार की सूचनाएं इकट्ठा कर के जनपद स्तर पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे, जहां इसकी समीक्षा प्रेक्षकों और जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने व्यय अनुवीक्षण में लगी टीमों को वाहनों की चेकिंग अधिक सक्रियता से करने हेतु निर्देशित किया।उन्होंने सभी उड़नदस्ता और स्थैतिक निगरानी टीम के मजिस्ट्रेटों को पूरी दृढ़ता और ईमानदारी के साथ निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीमें भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का अक्षरशः पालन कराना सुनिश्चित करेंगी, इसके लिए उन्होंने प्रेक्षकों को आश्वस्त किया। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज,अपर पुलिस अधीक्षक डीपी तिवारी, एडीएम डीपी सिंह, सीआरओ त्रिभुवन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तेलंगाना की इस सीट पर कांग्रेस और बीजेपी ने उतारे धनकुबेर

जीत-हार का फैसला करेंगे भगवान राम

तेलंगाना की चेवेल्ला लोकसभा सीट पर दो अमीर कैंडिडेट के बीच मुकाबला हो रहा है। बीजेपी के कैंडिडेट विश्वेश्वर रेड्डी के पास 4568 करोड़ रुपये की संपत्ति है तो कांग्रेस के उम्मीदवार रंजीत रेड्डी के पास करीब 257 करोड़ की चल-अचल प्रॉपर्टी है। चेवेल्ला की सियासी लड़ाई में बीआरएस भी है, मगर धन्नासेठों के मुकाबले में वह नजर नहीं आ रहे हैं। पिछले चुनाव में यह सीट बीआरएस के पास थी। इलाके में राम मंदिर का मुद्दा पब्लिक सेंटिमेंट से जुड़ा है।

चेवेल्ला- तेलंगाना में 17 लोकसभा सीटें हैं। उनमें से अधिकतर पर मुकाबला कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है। इन लोकसभा क्षेत्रों में से एक चेवेल्ला में दोनों पार्टियों ने धनाढ्य उद्योगपतियों को उतारा है। बीजेपी के उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी भारत के दूसरे अमीर प्रत्याशी हैं। उनका मुकाबला पॉल्ट्री किंग रंजीत रेड्डी से है। इस बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे रंजीत रेड्डी पिछले चुनाव में बीआरएस के टिकट पर चेवेल्ला से सांसद बने थे। इस चुनाव में बीजेपी को उम्मीद है कि विश्वेश्वर रेड्डी चुनाव में जीत हासिल करेंगे। पिछले चुनाव में कांग्रेस कैंडिडेट रहे विश्वेश्वर 14 हजार वोटों के मामूली अंतर से हार गए थे। इलाके के हिंदू वोटर राम मंदिर से भावनात्मक तौर से जुड़े नजर आते हैं। उनके लिए बीजेपी कैंडिडेट पीएम नरेंद्र मोदी के दूत हैं। चिलचिलाती गर्मी में जब विश्वेश्वर रेड्डी हैदराबाद से 20 किलोमीटर दूर छोटे से गांव बहादुरगुडा में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचते हैं तो लोगों की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़ती है। यहां 13 मई को मतदान होगा।

हिंदू वोटर के लिए राम मंदिर गौरव का क्षण, पीएम मोदी ने भरोसा जीता- इस इलाके की स्कूल टीचर डोनाकुंडा सरस्वती चुनावी माहौल में राम मंदिर को बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उन्हें याद है कि अयोध्या से प्रसाद के तौर पर 20 किलोग्राम बैग सीधे उनके गांव में पहुंचा और लगभग 500 परिवारों के लिए हर घर में पहुंचाए गए थे। सरस्वती की तरह के. जयम्मा भी राम मंदिर निर्माण को गौरव का क्षण मानती हैं। उनका कहना है कि सभी धर्मों के हर परिवार ने अपनी क्षमता के अनुरुप मंदिर के लिए योगदान दिया। राम मंदिर गांव में पानी की भारी कमी सहित अपनी परेशानियों पर भारी पड़ रहा है। माहेश्वरम में चाय की दुकान में बैठे लोग मानते हैं कि कांग्रेस और गांधी परिवार ने लोगों की जमीन दी, मगर राम मंदिर के तौर पीएम मोदी ने हिंदुओं को जो उपहार दिया है, उसका असर वोटिंग में नजर आएगा। महेश्वरम के सिरिगिरिपुर गांव के धान किसान सी रघुपति कहते हैं कि इस बार माहौल पीएम मोदी के पक्ष में जा सकता है।

पिछले पांच साल में बीजेपी उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी की संपत्ति 345 करोड़ रुपये बढ़ी है। 2019 में उन्होंने 895 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी। इस बार उनकी संपत्ति बढ़कर 1,240 करोड़ रुपये हो गई। हलफनामे में उनके परिवार की कुल संपत्ति 4,568 करोड़ रुपये बताई गई है। राजनेता के तौर पर रेड्डी पिछले दो दशक से सक्रिय हैं, मगर इस चुनाव में जीत के लिए पीएम मोदी के मैजिक और राम मंदिर पर भरोसा करते हैं। विश्वेश्वर रेड्डी का कहना है कि चेवेल्ला के लोग मंदिर के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं, मगर उन्हें राम और पीएम मोदी पर भरोसा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने जैसे राम मंदिर के लिए काम किया, उससे लोगों के बीच विश्वास भी हासिल किया है। पिछले चुनाव में चेवेल्ला के ग्रामीण इलाकों को बीजेपी को पांच फीसदी वोट मिले थे, जबकि पार्टी कैंडिडेट रहे बी. जनार्दन रेड्डी को लगभग 2 लाख वोट मिले थे। रेड्डी का दावा है कि इस बार गांवों में बीजेपी को पिछले चुनाव के मुकाबले 400 फीसदी ज्यादा वोट मिलेगा। चेवेल्ला के अन्य इलाके महेश्वरम में भी राम मंदिर को लेकर एक जैसी राय है। स्पेयर पार्ट्स की दुकान चलाने वाले चेन्ना कृष्णा कहते हैं कि मुझे पता है कि हर कोई पीएम मोदी को ही वोट देगा। हालांकि वह मानते हैं कि उन्हें स्थानीय उम्मीदवार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

कांग्रेस उम्मीदवार रंजीत रेड्डी का दावा, साउथ में भगवा लहर नहीं- 2019 में बीआरएस टिकट पर जीत हासिल कर सांसद बने रंजीत रेड्डी इस बार कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। उनकी राजेश्वरा हैचरीज प्राइवेट लिमिटेड पोल्ट्री उद्योग की दिग्गज कंपनी हैं। रंजीत रेड्डी खुद सुपर-रिच उम्मीदवारों की राष्ट्रीय सूची में शामिल हैं। 2019 उनके पास 163 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। इस बार उन्होंने 158.8 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 97.5 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति घोषित की है। हालांकि रंजीत रेड्डी खुद को कॉमन मैन ही मानते हैं। उनका कहना है कि मैं खुद को अमीर नहीं मानता। बीजेपी कैंडिडेट पर तंज कसते हुए वह कहते हैं कि विश्वेश्वर रेड्डी चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुआ था, मैंने अपना व्यवसाय खड़ा किया। उनके पास पैसा है, मेरे पास कड़ी मेहनत है। कांग्रेस कैंडिडेट मोदी मैजिक और राम मंदिर इफेक्ट को खारिज कहते हैं। उनका कहना है कि यह केवल एक धारणा है जो बीजेपी ने बनाई है। बीजेपी को पता होना चाहिए कि लोग एक ही बात को बार-बार सुनकर थक गए हैं। उत्तर भारत में भगवा लहर हो सकती है, दक्षिण भारत में यह सिर्फ एक दिखावा है।

3.5 लाख मुस्लिम वोटर भी हैं फैक्टर, कांग्रेस को मिल सकता है फायदा- चेवेल्ला में बीजेपी कैंडिडेट के लिए दो मुश्किलें हैं। पहला, बीजेपी के कमल निशान से ग्रामीण इलाके के लोग वाकिफ नहीं हैं। दूसरा, चेवेल्ला में 3.5 लाख मुस्लिम वोटर हैं तो कांग्रेस की तरफ एकतरफा वोटिंग कर सकते हैं। इस चुनाव में बीआरएस कैंडिडेट की चर्चा नहीं हो रही है। सभी मानते हैं कि मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच है। जीतेगा कौन, इसका पता 4 जून को मतगणना के बाद ही चलेगा।

'मिशन साउथ' को लेकर पीएम मोदी ने इन 5 राज्यों के किए सबसे ज्यादा दौरे

क्या इस चुनावी रण में मिलेगा फायदा?

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए '400 पार' का नारा बुलंद किया। पार्टी की कोशिश यही है कि एनडीए गठबंधन किसी भी तरह 400 के पार पहुंच जाए। इसके लिए पार्टी ने दक्षिण भारतीय राज्यों में सीटें बढ़ाने का टारगेट सेट किया। खुद पीएम मोदी ने पिछले दो साल में दक्षिण का सबसे ज्यादा दौरा किया। अगर विश्वास नहीं हो रहा तो आंकड़े जान लीजिए।

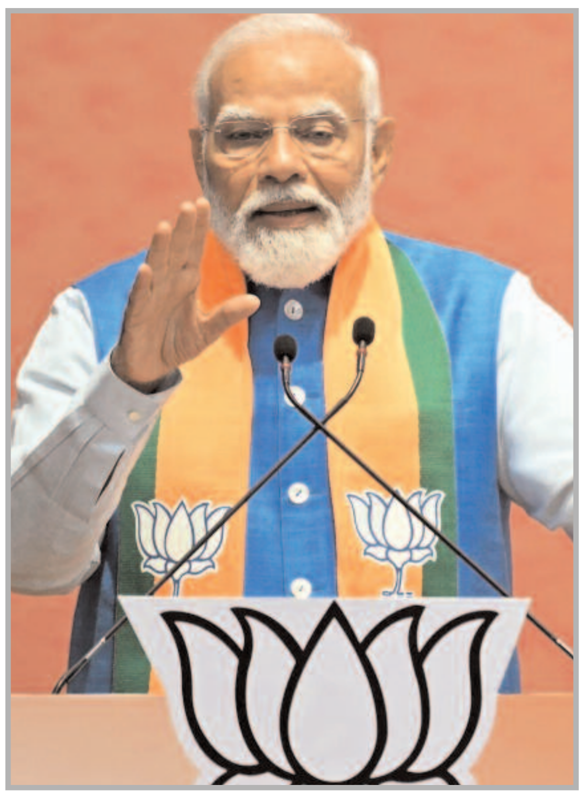

2024 के चुनावी रण में बीजेपी लगातार एक्शन मोड पर दिख रही। पार्टी का पूरा फोकस लोकसभा चुनाव में हैट्रिक लगाने पर है। इसके लिए पार्टी खास प्लानिंग से आगे बढ़ रही। बीजेपी नेतृत्व ने इस बार उन इलाकों को टारगेट किया जहां पार्टी का प्रदर्शन 2019 के चुनावों में कमजोर रहा है। इनमें दक्षिण भारतीय राज्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ सालों में दक्षिण भारतीय राज्यों में पैठ बनाने को लेकर कई दौरे किए। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री ने दक्षिणी राज्यों में सबसे अधिक कर्नाटक का दौरा किया। उसके बाद तमिलनाडु में 39, केरल में 25, तेलंगाना में 22 और आंध्र प्रदेश में 15 दौरे किए।

10 साल में पीएम के दक्षिणी राज्यों में 146 दौरे।

पीएमओ यानी प्रधानमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड से पता चलता है कि पीएम मोदी ने 26 मई 2014 से 17 अप्रैल 2024 के बीच पांच दक्षिणी राज्यों आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु की 146 यात्राएं कीं। उन्होंने अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में इन राज्यों की 73-73 यात्राएं कीं। इनमें से एक तिहाई से अधिक यात्राएं पिछले तीन वर्षों में हुईं। इस दौरान 2022 में 13, 2023 में 23 और 2024 में 17 अप्रैल तक 23 यात्राएं की। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि के दौरान पीएम मोदी की ओर से की गई घरेलू यात्राओं में दक्षिणी राज्यों का दौरा पहले टर्म में 14 फीसदी से बढ़कर दूसरे कार्यकाल में 18 फीसदी पहुंच गया।

इसलिए पीएम मोदी ने बढ़ाया साउथ पर फोकस- मौजूदा लोकसभा चुनावों पर नजर डालें तो तमिलनाडु में पहले चरण के दौरान 19 अप्रैल को मतदान हुआ । केरल में दूसरे फेज में 26 अप्रैल को वोटिंग हुई । वहीं तेलंगाना और आंध्र में चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा। कर्नाटक में 26 अप्रैल को मतदान हुआ और 7 मई को तीसरे चरण की वोटिंग के बाद यहां भी मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गया। बीजेपी लगातार इस क्षेत्र में पैठ बनाने का प्रयास कर रही, हालांकि पार्टी के प्रयासों से अब तक कर्नाटक को छोड़कर कहीं भी ज्यादा चुनावी फायदा नहीं मिला है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने आंध्र, केरल और तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं जीती। इन तीन राज्यों में पार्टी का वोट शेयर क्रमशः 0.97 फीसदी, 12 फीसदी और 3.6 फीसदी था। कर्नाटक में इसने 51 फीसदी वोट शेयर के साथ 25 सीटें जीती थी। तेलंगाना में 19.65 फीसदी वोट शेयर के साथ चार सीटें जीतीं। आंकड़े दर्शाते हैं कि पीएम मोदी ने दक्षिणी राज्यों में कुल 146 यात्राएं कीं। इनमें से 64 आधिकारिक और 56 गैर-आधिकारिक यात्राएं (चुनावी रैलियां और पार्टी फंक्शन) शामिल थीं।

पीएम मोदी की घरेलू यात्राओं पर एक नजर- मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कुल मिलाकर दक्षिणी राज्यों की अपनी 146 यात्राओं के दौरान 356 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इनमें से अधिकतर 144 गैर-आधिकारिक जैसे सार्वजनिक बैठकें थीं, वहीं 83 विकास से संबंधित थीं जैसे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास से जुड़ी थीं। इन घरेलू यात्राओं का साल दर साल विश्लेषण करने पर पता चलता है कि प्रधानमंत्री ने सबसे अधिक 185 यात्राएं 2019 के दौरान की, जब पिछले आम चुनाव हुए थे। 2019 में उनकी 185 यात्राओं के दौरान पीएम मोदी ने 100 यात्राएं 10 मार्च, 2019 को लोकसभा चुनावों की घोषणा और 23 मई, 2019 को मतगणना के बीच कीं। इन यात्राओं में तीन को छोड़कर सभी गैर-आधिकारिक थी।

दक्षिण के अलावा बंगाल पर रहा प्रधानमंत्री का फोकस- दक्षिण के अलावा अन्य राज्यों की बात करें तो पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल का 43 बार दौरा किया। उसके बाद बिहार में 42, झारखंड में 31, उत्तराखंड में 30, असम का 29 बार दौरा किया। इसके अलावा हरियाणा में 26, छत्तीसगढ़ में 24, जम्मू-कश्मीर में 25, हिमाचल प्रदेश में 20, ओडिशा में 21, पंजाब में 18, गोवा में 12 और त्रिपुरा का 12 बार दौरा किया।

कोविड के दौरान घट गई थी यात्राएं- कोविड के मद्देनजर, 2020 के दौरान घरेलू यात्राओं की संख्या घटकर 23 रह गई, जो मई 2014 के बाद किसी कैलेंडर वर्ष में सबसे कम है। इसके बाद, यह धीरे-धीरे बढ़कर 2021 में 61, 2022 में 98 और 2023 में 108 हो गई, जो पिछले नौ वर्षों में दूसरा सबसे अधिक है। वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री 17 अप्रैल तक 82 घरेलू दौरे करेंगे। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री की 928 घरेलू यात्राओं में से 460 आधिकारिक, 382 गैर-आधिकारिक और 86 आधिकारिक/गैर-आधिकारिक थीं। ये यात्राएं 696 दिनों में पूरी हुईं, क्योंकि कई अवसरों पर उन्होंने एक ही दिन में एक से अधिक राज्यों की यात्रा की।

एक दौर ऐसा भी था जब देश को खूब प्रधानमंत्री मिले। सरकारें टिकती नहीं थीं और हर बार चेहरा बदल जाता था। दो दिसंबर 1989 से 19 मार्च 1998 तक यानी नौ साल में देश को छह प्रधानमंत्री मिले। हालांकि 1998 के बाद सरकारों में स्थायित्व आया और प्रधानमंत्री के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी जैसे नेता मिले। ..तो आइये नजर डालते हैं उन छह नेताओं पर जिन्होंने दो दिसंबर 1989 से 19 मार्च 1998 के बीच प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

नौ साल में छह प्रधानमंत्री

वो दौर जब लंबी नहीं टिकती थीं सरकारें...

सरकारें आती हैं और जाती हैं। देश में हर पांच साल में चुनाव भी होते हैं। मगर एक दौर ऐसा भी था जब देश को खूब प्रधानमंत्री मिले। सरकारें टिकती नहीं थीं और हर बार चेहरा बदल जाता था। दो दिसंबर 1989 से 19 मार्च 1998 तक यानी नौ साल में देश को छह प्रधानमंत्री मिले। हालांकि 1998 के बाद सरकारों में स्थायित्व आया और प्रधानमंत्री के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी जैसे नेता मिले। ..तो आइये नजर डालते हैं उन छह नेताओं पर जिन्होंने दो दिसंबर 1989 से 19 मार्च 1998 के बीच प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

विश्वनाथ प्रताप सिंह

विश्वनाथ प्रताप सिहं को लोग वीपी सिंह के नाम से भी जानते हैं। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद वीपी सिंह ने जनता दल की सरकार में दो दिसंबर 1989 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि उनकी सरकार सिर्फ 343 दिन ही चली थी। भाजपा के समर्थन वापस लेने की वजह से 10 नवंबर 1990 को उनकी सरकार गिर गई थी।

चंद्रशेखर

वीपी सिंह के बाद जनता दल के ही नेता चंद्रशेखर ने कांग्रेस की मदद से सरकार बनाई थी। 10 नवंबर 1990 को चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मगर छह मार्च 1991 में उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि नई सरकार के गठन होने तक वे अपने पद पर बने रहे। चंद्रशेखर की सरकार सिर्फ 223 दिनों का कार्यकाल पूरा कर सकी थी। राजीव गांधी की जासूसी के आरोप में चंद्रशेखर को इस्तीफा देना पड़ा था।

पीवी नरसिम्हा राव

पीवी नरसिम्हा राव दक्षिण भारत से प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता थे। 21 जून 1991 में उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। 16 मई 1996 तक इस पद पर बने रहे। नरसिम्हा राव की सरकार चार साल 330 दिनों तक चली थी।

अटल बिहारी वाजपेयी

अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार 16 मई 1996 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर गठबंधन से बनी उनकी सरकार सिर्फ

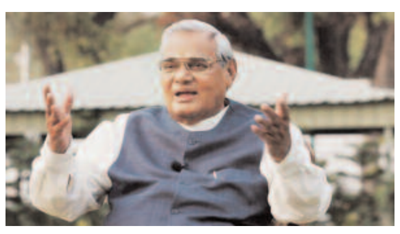

13 दिनों तक टिकी थी। सदन में बहुमत न होने की वजह से एक जून 1996 को उनकी सरकार गिर गई थी। 19 मार्च 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। इस बार सरकार करीब 13 महीने चली लेकिन बाद में एक वोट से वाजपेयी सरकार गिर गई थी।

एचडी देवगौड़ा

एक जून 1996 में जनता दल के एचडी देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सरकार 324 दिन चली और 21 अप्रैल 1997 को एचडी देवगौड़ा को भी प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा।

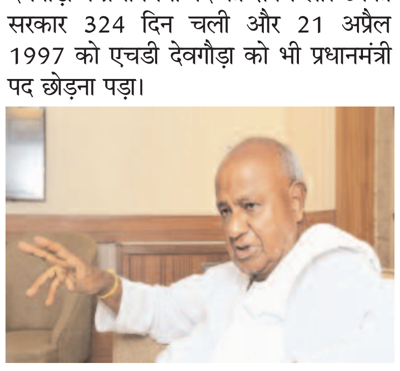

इंदर कुमार गुजराल

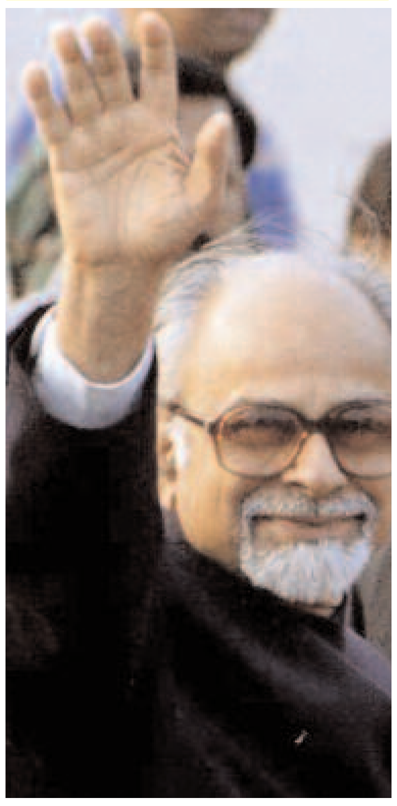

21 अप्रैल 1997 में इंदर कुमार गुजराल ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। 19 मार्च 1998 में उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। गुजराल की सरकार 332 दिनों तक चली थी।

ये रोचक तथ्य भी जानें

प्रधानमंत्री के रूप में सबसे अधिक कार्यकाल जवाहर लाल नेहरू का रहा है। वे 16 साल 286 दिनों तक प्रधानमंत्री रहे। पीएम के तौर पर सबसे छोटा कार्यकाल 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी का था। वे सिर्फ 13 दिनों तक इस पद पर रहे हैं। चौधरी चरण सिंह 170 दिनों तक प्रधानमंत्री रहे। नरेंद्र मोदी पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं जो लगातार दो बार से प्रधानमंत्री हैं। इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं।

स्पोर्ट्स में भी बना सकते हैं आकर्षक करियर

विराट कोहली जब महज तीन साल के थे, तभी से उन्होंने हाथों में क्रिकेट बैट पकड़ना सीख लिया था और जिद करके खुद के लिए अपने पिता से गेंदबाजी कराया करते थे। 9 वर्षों तक ये यूं ही गली-मोहल्ले में शौकिया क्रिकेट खेलते रहे। फिर एक दिन उनके पिता को एक दोस्त ने बेटे को क्रिकेट ट्रेनिंग दिलाने की सलाह दी। उन्होंने सुझाव पर सोच-विचार किया और विराट का दाखिला एक एकेडमी में हो गया। आज वे सफलता के किस मुकाम पर हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। हो सकता है कि खेल के प्रति ऐसी ही कुछ खूबियां आपमें भी छिपी हों, जिन्हें समय रहते पहचानकर और उचित प्रशिक्षण के बाद आप भी सचिन तेंडुलकर, अभिनव बिंद्रा, सुशील कुमार, विश्वनाथन आनंद, मैरीकॉम, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल आदि जैसे कामयाब खिलाड़ी बन सकते हैं। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और टेनिस के अलावा बैडमिंटन, रेसलिंग, बॉक्सिंग, स्विमिंग, शूटिंग, बास्केटबॉल आदि खेल आज सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि बेहतरीन करियर भी बनते जा रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि स्पोर्ट्स में सिर्फ खिलाड़ियों के लिए ही स्कोप है। आप चाहें, तो कोच, फिजिकल ट्रेनर, अंपायर, कमेंटेटर, स्कोरर, स्पोर्ट्स मैनेजर, स्पोर्ट्स एडिटर, क्यूरेटर, फिजियोथैरेपिस्ट, स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर, स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजर आदि के रूप में भी आकर्षक करियर बना सकते हैं।

करियर के अवसर

भारत में युवा प्रतिभाओं के लिए स्पोर्ट्स में करियर ऑप्शंस की कमी नहीं है। स्पोर्ट्स एकेडमीज से ट्रेनिंग के बाद आप खिलाड़ी के तौर पर राज्य स्तरीय इवेंट्स में खेलते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। खिलाड़ी के तौर पर करियर खत्म होने के बाद स्पोर्ट्स कोच, कंसल्टेंट, अंपायर, रेफरी, टीम मैनेजर, फिटनेस इंस्ट्रक्टर, स्पोर्ट्स कमेंटेटर, स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट सप्लायर आदि के रूप में करियर के अन्य ऑप्शंस भी चुन सकते हैं। बीपीएड/ एमपीएड कोर्स करके स्कूल-कॉलेज में फिजिकल टीचर बन सकते हैं। इसके अलावा क्यूरेटर भी एक अच्छा करियर ऑप्शन हो सकता है। क्रिकेट मैचों के लिए अच्छी पिच क्यूरेटर ही तैयार करते हैं। स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर भी एक स्पेशलाइज्ड करियर है। स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में इन दिनों इनकी खासी डिमांड है। एमबीबीएस प्रोफेशनल स्पोर्ट्स मेडिसिन का 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स करके स्पोर्ट्स मेडिसिन प्रैक्टिशनर बन सकते हैं।

पर्सनल स्किल

अगर स्पोर्ट्स में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपमें प्रतिभा, रुचि और समर्पण होा बहुत जरूरी है। आधे-अधूरे मन से खेलकर इस फील्ड में कामयाबी पाना संभव नहीं है। खेलों के लिए कुछ बेसिक शारीरिक क्षमता होना बेहद जरूरी है। इसे फिटनेस ट्रेनिंग और कोचिंग से हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए आपको खेल भावना भी रखनी होगी। ग्राउंड पर खिलाड़ियों के सामने विपरीत परिस्थितियों में अच्छा परफॉर्म करने का दबाव रहता है। इसलिए आपको मानसिक रूप से भी मजबूत रहना होगा।

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए कर बना सकते हैं बेहतर करियर

भारत का दूरसंचार उद्योग (टेलीकॉम इंडस्ट्री) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम उद्योग है। कारण है विशाल जनसंख्या। जितनी जनसंख्या, उतने उपभोक्ता और जितने उपभोक्ता, उतना बड़ा उद्योग। टेलीकॉम सेक्टर में टेलीफोन, टेलीविजन, इंटरनेट आदि शामिल हैं। आज शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक दूरसंचार साधनों का उपयोग हो रहा है। साथ ही, सरकार ने ई-गवर्नेंस भी शुरू किया है। कुल मिलाकर, टेलीकॉम के क्षेत्र में करियर निर्माण की बहुत उजली संभावनाएं हैं। आप टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके बेहतर करियर बना सकते हैं।

क्या है एमबीए टेलीकॉम मैनेजमेंट

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए दरअसल मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी का मेल है। यह कोर्स करके आप दूरसंचार के विस्तृत नेटवर्क को मैनेज करने की स्किल्स सीख सकते हैं। इस डिग्री से आप टेलीकॉम ऑपरेशंस के इन पहलुओं पर पकड़ बना सकते हैं- फाइनेंस, ऑपरेशंस, मार्केटिंग, रेग्युलेटरी, लीगल फ्रेमवर्क। यह कोर्स 2 साल का होता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

आप भी यह कोर्स कर सकते हैं, यदि आपके पास कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बैचलर्स डिग्री है और आपने कैट/ जीमैट/ जैट/ स्नैप/ सीमैट आदि जैसी कोई प्रवेश परीक्षा क्लियर कर ली है। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि से हैं, तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

जरूरी स्किल्स

सूचना और संचार प्रणालियों की मूलभूत अवधारणाओं को समझने के अलावा कुछ और स्किल्स होना जरूरी है। इसके लिए स्वयं से ये सवाल पूछें -

- क्या आपका दिमाग सदा सक्रिय रहता है
- क्या आप निर्णयक्षमता के धनी हैं
- क्या आपको लगता है कि आप लोगों द्वारा भरोसा किए जाने लायक हैं
- क्या आप दूसरों से सीखने को तत्पर रहते हैं
- क्या आपमें मौजूदा ट्रेंड्स को चुनौती देने का साहस है
- क्या आप दूसरों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं
- क्या आप हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ करने को तत्पर रहते हैं

यदि इन सवालों के जवाब आप हां में देते हैं, तो आपमें यह कोर्स करने और टेलीकॉम मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए जरूरी स्किल्स हैं।

करियर ऑप्शंस

टेलीकॉम सेक्टर के आकार और विस्तार के बढ़ने के साथ ही, टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करने के बाद अवसरों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। फ्रेशर हो या अनुभवी व्यक्ति, यदि कोई दृढ़ संकल्पित है, तो इस क्षेत्र में सफल हो सकता है। टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके आप इन क्षेत्रों में टेलीकॉम मैनेजमेंट प्रोफेशनल बन सकते हैं- सेल्स एंड डिस्ट्रिब्यूशन, प्राइसिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट, मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस, नेटवर्क प्लानिंग, सिक्योरिटी, टेलीकॉम कंसल्टिंग, इंटरनेशनल वॉइस ट्रेडिंग, टेलीकॉम रेग्युलेशन आदि। अनेक क्षेत्रों से जुड़ी सरकारी व प्राइवेट फर्म्स नई प्रतिभाओं को हायर करने को तैयार रहती हैं, जैसे- मोबाइल उत्पादक, ऑप्टिकल फाइबर उत्पादक, इंफ्रास्ट्रक्चर हार्डवेयर उत्पादक, वैल्यू एडेड सर्विस प्रोवाइडर्स (इंफोसिस/ माइक्रोसॉफ्ट/ विप्रो/ गूगल आदि), टेलीकॉम ऑपरेटर्स, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स, बैंक, हॉस्पिटल, सिक्योरिटी फर्म्स आदि।

सैलरी पैकेज

युवा ग्रेजुएट्स की सैलरी 3 से 5 लाख प्रति वर्ष होती है। अनुभव के साथ बढ़ते-बढ़ते यह 30 लाख रुपए तक भी जा सकती है।

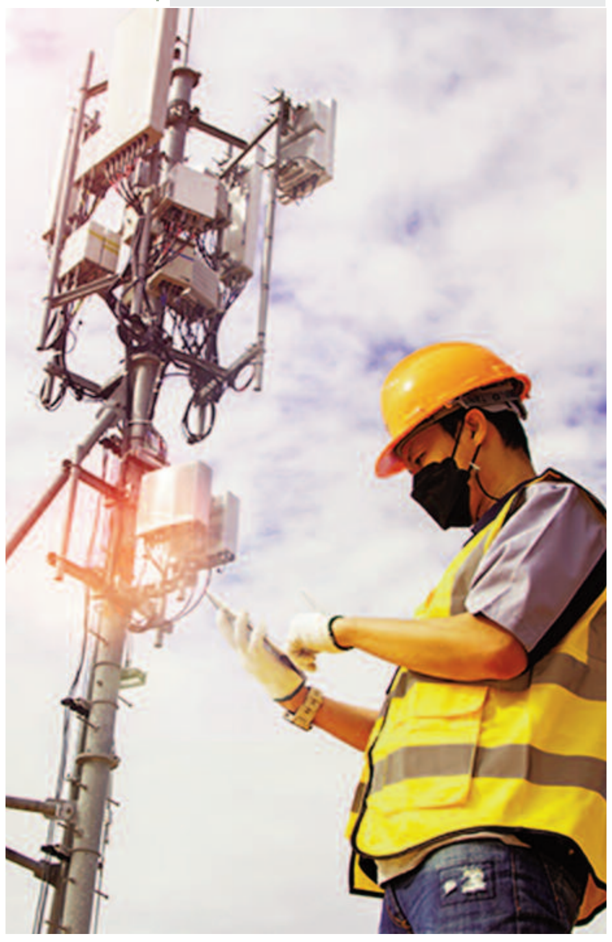

रोमांचक करियर की तलाश में हैं तो बनें वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स

अगर आप भी रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन का क्षेत्र आपके लिए श्रेष्ठ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां इस समय विलुप्त होने के कगार पर हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है, जंगलों का लगातार काटा जाना। हालांकि कई संगठनों के सामने आने के बाद अब हालात में कुछ परिवर्तन आया है लेकिन पूरी तरह से तस्वीर बदलने के लिए जरूरत है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स की। ये विशेषज्ञ जानवरों के आवास पर शोध कर उनका संरक्षण करने में मदद करते हैं। जाहिर है, यह करियर आपको प्रकृति के साथ ज्यादा वक्त गुजारने का मौका तो देता ही है, साथ ही रोमांचक भी है। अगर आप ऐसे ही रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो इस फील्ड से जुड़ सकते हैं।

क्या है वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन

वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन के अंतर्गत विशेषज्ञ पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों का अध्ययन करके उनके कारणों की खोज करते हैं। साथ ही वे वाइल्डलाइफ को सहेजने यानी कन्जर्व करने की कोशिश भी करते हैं। जब भी ऐसी जगहों पर कोई निर्माण या दूसरी गतिविधि होती है, तो पहले इन्हीं विशेषज्ञों की अनुमति ली जाती है। यही नहीं, लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण का काम भी यही एक्सपर्ट्स करते हैं। इन्हीं विशेषज्ञों को कहा जाता है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट।

कौन-से कोर्सेज

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषय होने जरूरी हैं। आप वाइल्डलाइफ साइंस, इकोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल साइंस, फॉरेस्ट्री और इकोलॉजिकल डेवलपमेंट से ग्रेजुएशन कर सकते हैं। इसके बाद इन्हीं विषयों से पोस्ट ग्रेजुएशन और फिर पीएचडी की जा सकती है। इसके अलावा आप वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी कर सकते हैं। कई ऐसे इंस्टीट्यूट्स हैं, जो फील्ड में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के साथ पढ़ाई करवाते हैं। ट्रेनिंग के दौरान विद्यार्थियों को कैम्पिंग के माध्यम से पढ़ाई करने का मौका मिलता है। वहीं कुछ इंस्टीट्यूट्स वाइल्डलाइफ फिलॉसफी में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं, जिसे आर्ट ग्रेजुएट्स भी कर सकते हैं।

क्या हैं संभावनाएं

आप राष्ट्रीय उद्यानों (नेशनल पार्क्स) व वन्य जीव अभयारण्यों (वाइल्डलाइफ सैंक्चुरीज) से जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा डब्ल्यूटीआई, पेटा और वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपना करियर बना सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में भी कई जॉब्स हैं। आप इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज की परीक्षा देकर बेहतरीन और प्रतिष्ठित जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा आप बतौर साइंटिस्ट, रिसर्चर, स्पेशलिस्ट, एक्सपर्ट और एनालाइजर अपना करियर बना सकते हैं और वाइल्डलाइफ से जुड़े अलग-अलग तथ्यों को सामने ला सकते हैं।

सैलरी कितनी

सरकारी रिसर्च और साइंस इंस्टीट्यूट्स से जुड़े प्रोफेशनल्स की शुरुआती सैलेरी 25,000 रुपए है, लेकिन अगर आप कॉर्पोरेट या इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशंस के साथ काम कर रहे हैं, तो ट्रेनिंग में आपकी शुरुआत 50,000 रुपए से होगी। परमानेंट जॉब और बढ़ते अनुभव से आपका वार्षिक पैकेज 30-35 लाख तक हो सकता है।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स

सबसे पहले तो आपके अंदर प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति लगाव होना चाहिए क्योंकि तभी आप कठिन परिस्थितियों में भी काम कर पाएंगे। वैसे भी जब तक आप अपने करियर को लेकर पैशनेट नहीं होंगे, तब तक सफलता नहीं मिलेगी। इसके अलावा आपमें समस्याओं के बारे में रिसर्च करने और उनका विश्लेषण करने का धैर्य होना चाहिए। एडवेंचरस होना और खतरों के लिए तैयार रहना भी महत्वपूर्ण है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुतः यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

विमानों के रद्द होने पर मंत्रालय ने एयरलाइन से मांगी रिपोर्ट, कहा- तत्परता से करें समाधान

नईदिल्ली, एजेंसी। उड़ानों को रद्द करने के मामले में नागर विमानन मंत्रालय ने एयर इंडिया एक्सप्रेस से रिपोर्ट मांगी है। विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन से तत्परता से मामले का समाधान करने को कहा है। मंत्रालय की ओर से एयरलाइन को डीजीसीए के निर्देशों के अनुसार यात्रियों के लिए सुविधाएं सुनिश्चित करने की सलाह भी दी गई है। इससे पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस की 80 से अधिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, एयरलाइन के चालक दल के सदस्य बड़े पैमाने पर बीमारी का हवाला देकर छुट्टी पर चले गए हैं। ऐसे में ये उड़ाने रद्द की गई हैं। नागरिक विमानन अधिकारी इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए हैं। बता दें, टाटा समूह की इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस, एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) का खुद में विलय करने की प्रक्रिया में है। इसी को लेकर, पिछले कुछ समय से इस एयरलाइन के चालक दल के सदस्य नाराज चल रह रहे हैं।

दुनिया में फसल खराब होने से हर साल 31 लाख करोड़ का नुकसान

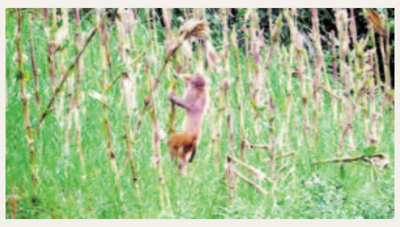

नईदिल्ली, एजेंसी। कीटनाशक का प्रयोग न करने से दुनिया में फसलों के खराब होने से सालाना 31.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है। 30 फीसदी फसलें नष्ट हो जाती हैं। बीएएसएफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रमुख रूप से कपास, टमाटर, बैंगन, खीरा और मिर्च खराब होती हैं। बीएएसएफ इंडिया के कृषि सॉल्यूशन के कारोबारी निदेशक गिरिधर रानुवा के मुताबिक, कंपनी ने एफिकॉन लॉन्च किया है। इसका अभी तक केवल ऑस्ट्रेलिया में उपयोग होता है। भारत में इंसेक्टिसाइड का 47 प्रतिशत उपयोग कपास व सब्जी में होता है। कंपनी अब तक भारत में 4.73 लाख किसानों को कीटनाशकों के छिड़काव के बारे में प्रशिक्षित कर चुकी है। 23,900 महिलाएं हैं। यूपी में 10,903 व पंजाब में 11,000 किसान प्रशिक्षित किए गए हैं। कंपनी का मानना है कि भारत में कीटनाशक छिड़काव को लेकर जागरुकता बढ़ रही है।

देश से खिलौना निर्यात में मामूली गिरावट, गुणवत्ता नियंत्रण जैसे उपायों के बावजूद खास वृद्धि नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। देश से खिलौना निर्यात 2023-24 में मामूली घटकर 15.23 करोड़ डॉलर रहा। 2022-23 में यह आंकड़ा 15.38 करोड़ डॉलर था। हालांकि, आयात 2022-23 के 6.23 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 6.49 करोड़ डॉलर पहुंच गया। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019-20 से 2021-22 तक खिलौना निर्यात 12.96 करोड़ डॉलर से बढ़कर 17.7 करोड़ डॉलर पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के खिलौना निर्यात को अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से खास लाभ नहीं हुआ। घरेलू उपायों का उद्देश्य स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देना था

महंगा हुआ हेल्थ इंश्योरेंस लेना, एक साल में 25 प्रतिशत तक बढ़ा प्रीमियम

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना काल के बाद से देश में स्वास्थ्य बीमा को लेकर जागरुकता बढ़ी है लेकिन पिछले एक साल में इसके प्रीमियम का बोझ भी तेजी से बढ़ा है। लोकलसर्किल्स द्वारा किए गए सर्वे में आधे से अधिक पॉलिसीधारकों ने यह माना है कि उनका इंश्योरेंस प्रीमियम पिछले एक साल में 25 फीसदी तक महंगा हुआ है। खास बात ये है कि प्रीमियम इंश्योरेंस सेक्टर के रेगुलेटर इरडा द्वारा बदले गए नियमों से पहले ही प्रीमियम महंगा हो चुका है। ऐसे में अप्रैल में किए गए नियमों में बदलाव के बाद अब ग्राहकों की जेब पर और ज्यादा असर पड़ेगा।

इरडा ने बदले हैं कई नियम

इंश्योरेंस से जुड़े कई नियमों में बदलाव करके इरडा ने नई अप्रैल में गाइडलाइन जारी की थी। इसके अनुसार अब स्वास्थ्य बीमा के वेटिंग पीरियड को अधिकतम 4 साल से कम करके 3 साल कर दिया गया है। इसके साथ ही नियमों में बदलाव करके अब सीनियर सिटीजन को भी राहत दी गई है। 65 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों को हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने में आसानी होने लगी है। इसके साथ ही नियमों के बदलाव के बाद अब गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को भी हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ मिल सकेगा। इसके साथ ही अब इरडा ने बीमा कंपनियों को ग्राहकों को इंस्टॉलमेंट का विकल्प देने का भी आदेश दिया है। इरडा द्वारा नियमों में बदलाव के बाद से ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है लेकिन बीमा कंपनियों ने अब प्रीमियम रेट में बढ़ोतरी का फैसला किया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इरडा के नियमों के बदलाव के चलते प्रीमियम में 1000 रुपए तक का इजाफा हो सकता है।

लोकलसर्किल्स ने 11,000 ग्राहकों को अपने सर्वे में शामिल किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 52 फीसदी पॉलिसीधारकों ने यह माना है कि पिछले एक साल में उनके हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम 25 फीसदी तक महंगा हो गया है। इनमें ने 21 फीसदी ऐसे लोग हैं जिन्होंने यह माना कि पिछले एक साल में उनके प्रीमियम में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वहीं 31 फीसदी लोगों को मानना है कि उनका प्रीमियम 25 से 50 फीसदी तक महंगा हुआ है। वहीं बचे 31 फीसदी ग्राहकों ने प्रीमियम में 10 से 25 फीसदी के बढ़ोतरी की बात मानी। वहीं 2 फीसदी लोगों का मनना है कि पिछले एक साल में उनका 0 से 10 फीसदी तक महंगा हुआ है।

बढ़ रहे प्रीमियम से ग्राहकों की बढ़ रही चिंता

इस सर्वे में पॉलिसीहोल्डर्स ने साल दर साल महंगे होते हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर अपनी चिंता जाहिर की है। कई पॉलिसीहोल्डर्स ने माना है कि उनके हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में पिछले दो सालों में डबल डिजिट में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही ग्राहकों ने सर्वे में क्लेम के प्रोसेस में तेजी लाने की बात कही।

भारत में इस्पात मांग में तेजी जारी रहेगी, अगले कुछ वर्षों में 10 प्रतिशत की दर से होगी वृद्धिः इस्पात सचिव

नईदिल्ली, एजेंसी। इस्पात सचिव नागेन्द्र नाथ सिन्हा ने बुधवार को कहा कि सरकार के बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने से अगले कुछ वर्षों में घरेलू इस्पात की मांग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'भविष्य के लिए तैयार तथा हरित विनिर्माण पर सीआईआई सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार के बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने से घरेलू इस्पात की मांग दोहरे अंक में बढ़ेगी।

सिन्हा ने कहा, ''वित्त वर्ष 2023-24 में मांग में सालाना आधार 13-14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भविष्य में इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि जारी रहेगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में कच्चे इस्पात का उत्पादन करीब 14.5 करोड़ टन रहा जो वित्त वर्ष 2022-23 में 12.7 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2023-24 में खपत 13.6 करोड़ टन रही, जबकि 2022-23 में यह 12 करोड़ टन थी।

मिट जाएगा अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल का नामोनिशान!

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए हिंदुजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड ने सबसे बड़ी बोली लगाई थी। कंपनी के लेंडर्स ने पिछले साल जून में इस रेजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी दी थी। फरवरी में एनसीएलटी से भी इसे हरी झंडी मिल गई। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंदुजा ग्रुप ने रिलायंस कैपिटल और उसकी ऑपरेटिंग कंपनियों की रिब्रांडिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने अपने 9,661 करोड़ रुपये के रेजॉल्यूशन प्लान को लागू करने के लिए कंपनियों के नामों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए आरबीआई से मंजूरी मांगी गई है। एनसीएलटी ने इस रेजॉल्यूशन प्लान को लागू करने के लिए 27 मई की डेडलाइन तय की है।

मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि रिब्रांडिंग के तहत होल्डिंग कंपनी रिलायंस कैप का नाम इंडसइंड इंश्योरेंस होल्डिंग कंपनी होगा। हिंदुजा ग्रुप का फोकस रिलायंस कैप के इंश्योरेंस बिजनस को खरीदने पर है। रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नाम इंडसइंड निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी होगा। इसी तरह रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी का नया नाम इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी होगा। आरएनएलआइसी एक लाइफ इंश्योरेंस वेंचर है जिसमें जापान की कंपनी निप्पन लाइफ की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि रिलायंस कैप के पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस का नाम इंडसइंड हेल्थ इंश्योरेंस होगा। इस बीच मिंट की एक न्यूज के मुताबिक आईआईएचएल ने रिलायंस कैप के रेजॉल्यूशन प्लान को लागू करने के लिए कॉरपोरेट स्ट्रक्चर में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। नई कंपनियों के नाम का प्रस्ताव आरबीआई को भेजा गया है। जानकारों का कहना है कि डील में नई कंपनियों को शामिल करने के लिए नए सिरे से रेगुलेटरी अप्रूवल की जरूरत होगी।

भारतीय परिवारों की सेविंग्स पांच साल के न्यूनतम स्तर पर, कर्ज लेकर काम चला रहे लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। गोल्ड, रियल एस्टेट और शेयर बाजार में लोग निवेश बढ़ा रहे है, लेकिन कर्ज लेकर तमाम काम करने से उनकी वित्तीय देनदारियां भी बढ़ रही हैं। इसके चलते विशुद्ध वित्तीय बचत घट रही है। पिछले 3 वर्षों में परिवारों की वित्तीय देनदारी दोगुनी से ज्यादा हो गई। वहीं उनकी नेट फाइनैंशल सेविंग्स लगभग 40 प्रतिशत घट गई और यह 5 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई। स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लिमेंटेशन मिनिस्ट्री की ओर से जारी नैशनल अकाउंट स्टैटिस्टिक्स 2024 से यह तस्वीर सामने आई है।

पिछले 3 वर्षों में लगभग डेढ़ गुना हो गया। वित्त वर्ष 2021 में 40 हजार 505 करोड़ के मुकाबले वित्त वर्ष 2023 में यह 63 हजार 397 करोड़ रुपये हो गया। शेयरों और डिबेचरों में निवेश लगभग दोगुना होकर 2 लाख 6 हजार करोड़ रुपये रहा। वहीं म्यूचुअल फंड्स में निवेश लगभग तीन गुना हो गया। एफवाय21 में 64 हजार 84 करोड़ रुपये के मुकाबले एफवाय23 में यह 1 लाख 79 हजार करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स घटकर 2 लाख 38 हजार करोड़ रुपये निवेश 2 लाख 48 हजार करोड़ से के करीब आ गया। वित्त वर्ष 2022 में यह 2 लाख 41 हजार करोड़ रुपये था।

2018-19 में वित्तीय देनदारी 7 लाख 71 हजार 245 करोड़ रुपये की थी। अगले वित्त वर्ष में 7 लाख 74 हजार 693 करोड़ रुपये पर पहुंचने के बाद वित्त वर्ष 2020-21 में यह 7 लाख 37 हजार 350 करोड़ रुपये पर आ गई। हालांकि एफवाय22 में यह बढ़कर 8 लाख 99 हजार 271 करोड़ रुपये हो गई। एफवाय23 में आंकड़ा 15 लाख 57 हजार 190 करोड़ रुपये हो गया और वित्तीय अधिक हो गई। एफवाय21 में परिवारों को देनदारी एफवाय21 के मुकाबले दोगुनी से बैंक लोन 6 लाख 5 हजार करोड़ रुपये से लगभग दोगुना होकर एफवाय23 में 11 लाख 88 हजार करोड़ रुपये हो गया। एफवाय22 में यह 7 लाख 69 हजार करोड़ रुपये था।

विशुद्ध बचत

ग्रॉस फाइनैंशल सेविंग्स में से वित्तीय देनदारियां घटाने पर 2022-23 में नेट हाउसहोल्ड सेविंग्स 14 लाख 16 हजार 447 करोड़ रुपये रहीं। 2018-19 के बाद यह सबसे कम है, जब आकड़ा 14 लाख 92 हजार 445 करोड़ रुपये था। एफवाय20 में 15 लाख 49 हजार 870 करोड़ रुपये के बाद 2020-21 में 23 लाख 29 हजार 671 करोड़ पर पहुंच गई। अगले साल घटकर 17 लाख 12 हजार 704 करोड़ रह गई। एफवाय23 में 14 लाख 16 हजार करोड़ पर आ गई। इस तरह 3 साल के भीतर विशुद्ध बचत 9 लाख करोड़ रुपये घट गई।

गांवों के भरोसे चल रही है एफएमसीजी इंडस्ट्री रिपोर्ट तो यही बता रही है

नईदिल्ली, एजेंसी। पैकेज्ड या प्रोसेस्ड फूड जैसे नूडल्स-पास्ता, सॉस-कैचप, मेयोनीज, आलू के चिप्स, फलों के रस, चीज, पनीर, बेवरेज, तेल साबुन, शैंपू, बिस्किट आदि फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स या एफएमसीजी के नाम से जाना जाता है। कुछ साल पहले तक इन सामानों की बिक्री अधिकतर शहरों में ही होती थी। लेकिन अब गांवों ने शहरों को पीछे छोड़ दिया है। जी हां, कंज्यूमर इंटेलिजेंस फर्म नील्सनआईक्यू की एक रिपोर्ट से तो यही अंदाजा मिल रहा है।

नील्सनआईक्यू की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल जनवरी से मार्च के दौरान ग्रामीण इलाकों में पैकेज्ड फूड, बेवरेजेज, तेल, साबुन, शैंपू जैसी चीजों को बिक्री शहरी इलाकों से तेज हो रही है। ऐसा पिछले 15 महीनों में पहली बार हुआ है। इसका संकेत तो यही है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार है, तभी तो वहां एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ी है।

क्या क्या बिक रहे हैं ज्यादा

जनवरी-मार्च की तिमाही में एक और संकेत मिले हैं। इस दौरान फूड आइटम्स के बजाय तेल, साबुन, शेपू और टूथपेस्ट सहित पर्सनल और होम केयर प्रोडक्ट्स की बिक्री ज्यादा रही। फूड आइटम्स के मुकाबले नॉन- फूड कैटिगरी की ग्रोथ लगभग दोगुनी रही। नील्सनआईक्यू की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रामीण इलाकों में डिमांड तिमाही दर तिमाही आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़ी, वहीं शहरी इलाकों में इसमें 5.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हेड कस्टमर सक्सेस इंडिया, रुजवेल्ट डिसूजा ने बताया कि होम और पर्सनल केयर कैटिगरीज ने फूड कैटिगरीज से बेहतर प्रदर्शन किया। नॉन-फूड सेक्टर की ग्रोथ 11 प्रतिशत रही, वहीं फूड कैटिगरी में बिक्री 4.8 प्रतिशत बढ़ी अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में फूड सेक्टर की ग्रोथ 5.4 प्रतिशत और नॉन-फूड सेक्टर की ग्रोथ 9.6 प्रतिशत थी।

महंगाई घटेगी तो परचेजिंग पावर बढ़ेगी

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सवनवीस ने कहा, एफवाय24 में रियल टम्स में कंजम्पशन ग्रोथ 3 प्रतिशत ही थी। लेकिन महंगाई घटेगी, तो परिवारों की परचेजिंग पावर बढ़ेगी। इंडस्ट्री में कैपेसिटी यूटिलाइजेशन बढ़ने पर निवेश बढ़ेगा, जिससे रोजगार और आमदनी में बढ़त होगी। मॉनसून बेहतर रहा तो रूरल इकॉनमी मजबूत होगी। लिहाजा एफवाय25 में कंजम्पशन में सुधार की उम्मीद है।

हल्दीराम के पीछे पड़ी हैं दुनिया की कई बड़ी-बड़ी कंपनियां

इसमें ब्लैकस्टोन, टेमासेक और बेन कैपिटल भी शामिल हैं

स्नैक्स मार्केट 2032 तक 95,521 करोड़ पहुंचने का अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी। कई दशकों से देश की नमकीन और मिठाई इंडस्ट्री पर राज कर रही कंपनी हल्दीराम में स्टेक खरीदने के लिए कई प्राइवेट इक्विटी कंपनियों में होड़ मची है। इनमें दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी कंपनी ब्लैकस्टोन इंक , टेमासेक होल्डिंग्स लिमिटेड और बेन कैपिटल शामिल हैं। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। निवेशक हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में कम से कम 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं। यह खरीदारी आठ से 10 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर हो सकती है। माना जा रहा है कि यह कंज्यूमर सेगमेंट में सबसे बड़ी डील में से एक हो सकती है।

हल्दीराम के नागपुर और दिल्ली गुटों का मर्जर हो चुका है जिसे कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने पिछले साल मंजूरी दी थी। एचएसएफपीएल में हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड की 56 परसेंट और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की 44 फीसदी हिस्सेदारी है। हल्दीराम ब्रांड की शुरुआत 1937 में गंगा बिसन अग्रवाल ने की थी। आज इसका बिजनस 100 से अधिक देशों में फैला हुआ है। कंपनी 400 से अधिक तरह के फूड आइटम्स बेचती है। इनमें नमकीन, मिठाइयां, स्नैक्स, रेडी टु ईट फूड, फ्रोजन फूड, बिस्कुट, कनफेक्शनरी, रेडी टु ड्रिंक बेवरेजेज और पास्ता आदि शामिल हैं। कंपनी भारत के बाहर भी कई देशों को एक्सपोर्ट करती है। इनमें यूरोप और अमेरिका के कई देश शामिल हैं।

किससे है मुकाबला

रिसर्च फर्म आइएमएआरसी ग्रुप की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत का स्नैक्स बाजार 2023 में 42,694 करोड़ रुपये का था और 2032 तक इसके 95,521 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। भारत के स्नैक्स और नमकीन मार्केट में हल्दीराम का मुख्य मुकाबला बालाजी वैफर्स, बीकानेरवाला फूड्स, आईटीसी, पार्ले प्रॉडक्ट्स और पेप्सिको आदि से है। भारत के स्नैक फूड मार्केट में हल्दीराम की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत है जबकि पेप्सिको की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है। इस मार्केट में करीब 3,000 छोटे और रीजनल प्लेयर्स की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का रेवेन्यू फाइनेंशियल ईयर 2022 में 3,622 करोड़ रुपये था, जबकि हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड का रेवेन्यू 5,248 करोड़ रुपये था। हल्दीराम की वैल्यूएशन वित्त वर्ष 2022 में उसके कारोबार की बिक्री के मुताबिक लगभग 83,000 करोड़ रुपये है।

ग्राहकों को चूना लगाने वाले फर्जी रिव्यू पर लगेगी लगाम, सरकार उठाएगी सख्त कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले जितनी तेजी से बढ़ रहे हैं उतने ही तेजी से धोखाधड़ी के मामले भी सामने आते रहते हैं। ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि ग्राहक फर्जी रिव्यूज पर भरोसा करके खराब सामान खरीद लेते हैं। इस तरह के स्कैम से ग्राहकों को बचाने के लिए भारत सरकार जल्द कोई बड़ा फैसला ले सकती है। सरकार ने मंगलवार को फर्जी रिव्यू पर लगाम लगाने के लिए क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर पर परामर्श को लेकर ई-कॉमर्स कंपनियों और ऑनलाइन समीक्षाओं से जुड़े संगठनों की बैठक बुलाई। इस बात की जानकारी उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के नोटिस में दी गई।

मंत्रालय ने ऑनलाइन उपभोक्ता समीक्षा (क्वालिटी कंट्रोल) आदेश, 2024 का एक ड्रॉफ्ट भी जारी किया है। इसमें प्रोडक्ट के वेरिफाइड खरीदारों और उपयोगकर्ताओं से ही समीक्षा स्वीकार करने का प्रस्ताव किया गया है। नोटिस के अनुसार, ''गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत ग्राहकों और विक्रेताओं को जोड़ने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों और समीक्षा से जुड़े संगठनों को निर्धारित जरूरतों के स्व-अनुपालन की घोषणा करने करने को कहा गया है।''

QCO के ड्राफ्ट में कहा गया है कि संगठन उन रिव्यूज को पब्लिश नहीं करेंगे जो खुद या सप्लायर, विक्रेता या किसी थर्ड पार्टी से खरीदी या लिखवाई गई हो।

15 मई को होगी बैठक

नोटिस में कहा गया है, ''संबंधित संगठन को भारतीय मानक ब्यूरो के पास रजिस्टर कराने और नियमों के अनुपालन की घोषणा करने की जरूरत है। इस संबंध में, क्यूसीओ के मसौदे पर चर्चा के लिए सचिव की अध्यक्षता में संबंधित पक्षों की बैठक 15 मई, 2024 को बुलाई गई है।''

शुभमन गिल के स्टार खिलाड़ी ने पाकिस्तान को दिया धोखा

नहीं खेलेगा टी-20 सीरीज, देखते रह गए बाबर आजम!

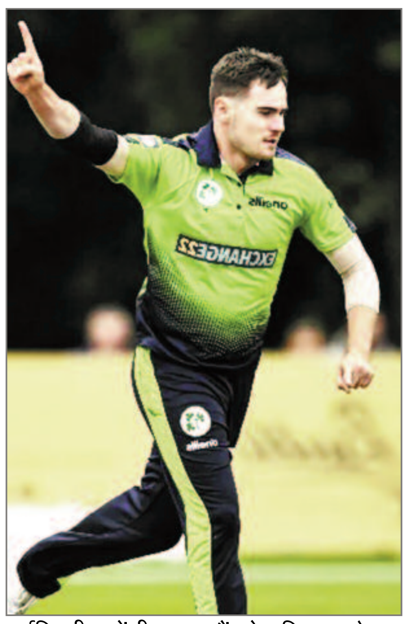

नईदिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया है। लिस्ट में जोश लिटिल का नाम भी शामिल है। हालांकि, रोचक बात यह है कि वह सीरीज खेलेंगे नहीं। वह इस दौरान आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते नजर आएंगे।

आईपीएल 2024

पानी पिलाते-पिलाते फ्रस्टेट हुआ सीएसके का स्टार खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स टीम का माहौल बहुत शानदार है और मैनेजमेंट टीम की प्लेइंग-11 में बहुत कम बदलाव करता है। यही वजह है कि कई स्टार प्लेयर्स सिर्फ बेंच पर ही बैठ नजर आते हैं। ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं मिचेल सेंटनर। उन्होंने इस मामले को लेकर अब खुलकर अपनी बात कही है। और अपनी नाराजगी जाहिर की।

फुटबॉल

माराडोना को 1986 विश्व कप में मिली गोल्डन बॉल ट्रॉफी की होगी नीलामी

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। यह नीलामी के लिए जाने वाली पहली गोल्डन बॉल है और अभी कीमत की पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि 6 जून को नीलामी के दौरान इसकी कीमत लाखों में होगी। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर रहे दिवंगत डिएगो माराडोना को 1986 विश्वकप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए मिली गोल्डन बॉल ट्रॉफी को नीलामी में शामिल किया गया है। अगुट्टेस

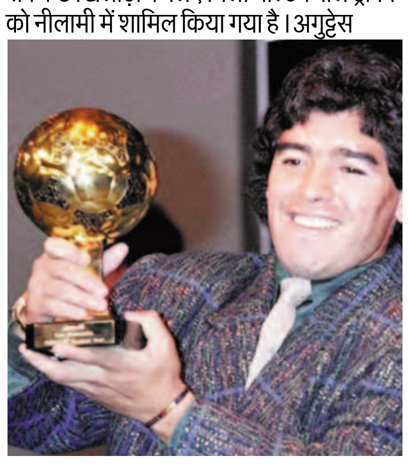

नीलामी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह नीलामी अगले महीने फ्रांस में होगी। यह नीलामी के लिए जाने वाली पहली गोल्डन बॉल है और अभी कीमत की पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि 6 जून को नीलामी के दौरान इसकी कीमत लाखों में होगी।

माराडोना का देहांत 2020 में 25 नवंबर को हुआ था। उनकी कप्तानी में अर्जेंटीना ने फाइनल में वेस्ट जर्मनी को 3-2 को हराकर 1986 विश्वकप की ट्रॉफी अपने नाम की थी। गोल्डन बॉल ट्रॉफी 1982 विश्वकप से शुरू की गई थी और अर्जेंटीना के ही लियोनल मेसी एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो बार गोल्डन ट्रॉफी जीती थी।

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेंगे नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में होने वाले राष्ट्रीय फेडरेशन कप में भाग लेने की पुष्टि कर दी है और इस तरह से यह पिछले तीन साल में पहला अवसर होगा जबकि यह स्टार एथलीट घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। इस 26 वर्षीय स्टार खिलाड़ी के 10 मई को प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा में होने वाले पहले चरण में अपने सत्र की शुरुआत करने के बाद भारत आने की संभावना है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने ट्वीट किया, 'प्रविष्टियों के अनुसार नीरज चोपड़ा और किशोर कुमार जेना भुवनेश्वर में 12 मई से शुरू होने वाली घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। चोपड़ा के कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज ने भी पुष्टि की कि यह स्टार एथलीट भुवनेश्वर में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगा। हांगझोउ एशियाई खेलों में चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहकर रजत पदक जीतने वाले 28 वर्षीय किशोर जेना भी 10 मई को दोहा डायमंड लीग में भाग लेंगे। चोपड़ा ने इससे पहले आखिरी बार घरेलू प्रतियोगिता में 17 मार्च 2021 को भाग लिया था और तब उन्होंने 87.80 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। वह 2022 में डायमंड लीग और 2023 में विश्व चैंपियन बने।

उन्होंने चीन में एशियाई खेलों में अपने खिताब का भी बचाव किया था। चोपड़ा ने इस बीच डायमंड लीग के तीन व्यक्तिगत चरण भी जीते और 2022 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। यह भारतीय खिलाड़ी हालांकि अभी तक 90 मीटर की दूरी को छूने में नाकाम रहा है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

खुशी ने रोशन किया औरंगाबाद का नाम

अंडर 20 भारतीय वॉलीबॉल टीम में मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद शहर के गंगटी गांव की खुशी ने न सिर्फ औरंगाबाद का नाम रौशन किया है बल्कि सूबे समेत राष्ट्र को भी गौरवान्वित किया है।खुशी का चयन अंडर 20 भारतीय महिला बॉलीबॉल टीम में हुआ है। टीम में चयन होते ही परिजनों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। खुशी को घर आते ही जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। खुशी के पिता गंगटी गांव निवासी संतोष सिंह की मौत 2016 में हो गई थी। पति के मौत के बाद परिवार का सारा दायित्व खुशी की मां पर आ गया। खुशी पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी बेहद रूची रखती थी। खुशी पांच भाई बहनों में सबसे छोटी है।

संजू ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ की छक्कों की बरसात

तोड़ डाले एमएस धोनी और रोहित शर्मा के रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के कैच पर भले ही विवाद छिड़ा हो, लेकिन उन्होंने दिल्ली के मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दमदार बल्लेबाजी की और दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। संजू सैमसन ने दोनों रिकॉर्ड छक्के जड़कर बनाए। एक रिकॉर्ड अपने नाम किया, जबकि एक रिकॉर्ड की उन्होंने बराबरी की। वे आईपीएल में सबसे तेज छक्कों का दोहरा शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के इतिहास में सबसे कम पारियों में 200 छक्के जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बने हैं। संजू सैमसन ने 159 पारियों में 200 छक्कों का आंकड़ा पार किया, जबकि उनसे पहले एमएस धोनी के नाम पर ये रिकॉर्ड दर्ज था। एमएस धोनी ने 165 पारियों में 200 छक्के आईपीएल में जड़े थे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहला छक्का जड़ते ही उन्होंने आईपीएल में 200 छक्के पूरे कर लिए थे।

इतना ही नहीं, संजू सैमसन ने रोहित शर्मा का भी एक रिकॉर्ड धराशायी कर दिया। रोहित शर्मा ने 11 बार आईपीएल के इतिहास में एक मैच में 5 या इससे ज्यादा छक्के जड़े हैं, जबकि संजू सैमसन ने 12वीं बार ये कमाल कर दिखाया। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 6 छक्के जड़े। हालांकि, इतनी ही बार केएल राहुल ने भी आईपीएल में एक पारी 5 या इससे ज्यादा छक्के जड़े हैं। ऋषभ पंत 9 बार और एमएस धोनी 8 बार ये कमाल करने में सफल हुए हैं। संजू सैमसन की बात करें तो उन्होंने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल 2024 के 56वें लीग मैच में 46 गेंदों में 8 चौके और 6 छक्कों की मदद से 86 रन बनाकर आउट हुए। उनका स्ट्राइक रेट इस पारी में 186.96 का था। अगर वे विवादित तरीके से आउट नहीं दिए जाते और वह छक्का होता तो निश्चित रूप से मैच का नतीजा अलग हो सकता था। राजस्थान रॉयल्स को दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 20 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

मार्श टी20 विश्व कप में गेंदबाजी करेंगे: मैक्डोनाल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने खुलासा किया कि टी20 विश्व कप के कप्तान मिचेल मार्श टीम के कैरेबियाई दौरे से पहले अंतिम सप्ताह तक गेंदबाजी करने के लिए फिट नहीं हैं, लेकिन टी20 विश्व कप से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मार्श 3 अप्रैल को आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए हुए मुकाबले के बाद से एक्शन से बाहर हैं। वह अपनी रिकवरी शुरू करने के लिए भारत से पर्थ वापस घर आ गए। अगले दो हफ्तों में मार्श ब्रिस्बेन में दो तीन दिवसीय प्री-टूर्नामेंट प्रशिक्षण शिविरों में से पहला शिविर ऑस्ट्रेलियाई टीम के उन सदस्यों के साथ बिताएंगे जो आईपीएल में नहीं खेल रहे हैं, इससे पहले कि टीम 25 मई को मेगा इवेंट के लिए कैरेबियाई रवाना हो जाए। हालांकि पिछले दो दिनों में मार्श की हैमस्ट्रिंग काफी हद तक ठीक हो गई थी जिससे उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला। हालांकि, मैक्डोनाल्ड को लगता है कि उन्हें गेंदबाजी क्रीज पर लौटने में अभी भी कुछ सप्ताह का समय बाकी है क्योंकि मार्श की रिकवरी उम्मीद से थोड़ी धीमी है। मैक्डोनाल्ड के हवाले से कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहा है। शायद उम्मीद से थोड़ा धीमा। लेकिन अब हमारे पास काफी समय है क्योंकि वह आईपीएल से बाहर हो गया है। हमारा पहला मैच अब एक महीने से भी कम समय दूर है। इसलिए उसके पास तैयार होने के लिए पर्याप्त समय है। मैक्डोनाल्ड ने कहा कि पिछले दो महीनों में मार्श के लिए मैच अभ्यास की कमी को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास ओमान के साथ शुरुआती मुकाबले से पहले कुछ अभ्यास मैच होंगे। ऑस्ट्रेलिया अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को बारबाडोस में ओमान के खिलाफ करेगा।

अंपायर से बहस करना सैमसन को पड़ा महंगा

बीसीसीआई ने ठोका जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। शतक से चूकने और टीम की हार के बाद संजू सैमसन को एक तीसरा झटका लगा है। मंगलवार को दिल्ली के खिलाफ मैदानी अंपायरों के साथ तीखी बहस के लिए आरआर कप्तान पर बीसीसीआई ने मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। डीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 221 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 201 रन ही बना सकी। सैमसन की 46 गेंदों में 86 रनों की बेहतरीन पारी का अंत विवादित रहा। शाई होप ने मुकेश की गेंद पर बाउंड्री रोप के पास सैमसन का एक शानदार कैच लपका। ऐसा लगा कि होप ने गेंद को सफलतापूर्वक पकड़ लिया था और कई रीप्ले को देखकर भी यही लगा, लेकिन एक ऐसा एंगल भी था जिसने कैच को लेकर थोड़ा संदेह पैदा कर दिया। हालांकि, तीसरे अंपायर ने अंततः पहले दो रीप्ले पर भरोसा किया और सैमसन को आउट घोषित कर दिया। इसके बाद शुरुआत में डगआउट की ओर बढ़ रहे सैमसन रिप्ले देखने के बाद अंपायर के फैसले से असंतुष्ट दिखे और अंपायरों से बहस करने लगे। हालांकि थोड़ी देर बहस करने के बाद संजू को अंपायर का फैसला मानकर पवेलियन जाना पड़ा। अब बीसीसीआई ने सैमसन के इस व्यवहार के लिए जुर्माना ठोक दिया है। बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 7 मई, 2024 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमसन ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और सजा को स्वीकार भी कर लिया है। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम होता है।

विश्व कप क्वालिफायर के संभावितों की सूची में फुटबालर झींगन बाहर

इंडियन फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। दूसरी सूची में शामिल 15 खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईएसएल कप फाइनल खेला। वे 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्वकप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालिफिकेशन के दूसरे दौर के मुकाबलों के लिए 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की जिसमें चोटिल डिफेंडर संदेश झींगन का नाम नहीं है। झींगन को जनवरी में सीरिया के खिलाफ भारत के एशियाई कप ग्रुप मैच के दौरान दाहिने घुटने में चोट लगी थी। पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ी भुवनेश्वर में 10 मई से अभ्यास शुरू करेंगे। दूसरी सूची में शामिल 15 खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईएसएल कप फाइनल खेला। वे 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। कुल 41 खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। भारत का सामना छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में मेजबान टीम से होगा। भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप का टिकट कटाएंगी।

संभावित खिलाड़ी :

गोलकीपर- पी तेमपा लाचेंपा, विशाल कैथ

रक्षक पंक्ति -आकाश मिश्रा , अनवर अली, मेहताब सिंह, राहुल भेके, शुभाशीष बोस

मध्यपंक्ति-अनिरूद्ध थापा, दीपक टंगड़ी, लालेंगमाविया राल्टे, लालियांजुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, सहल अब्दुल समद ।

अग्रिम पंक्ति- डेविड लालह्लानसंगा, जितिन मदाथिल सुब्रान, लालरिनजुआला, पार्थिब सुंदर गोगोई, रहीम अली, सुनील छेत्री।

डीपफेक का शिकार हुईं

कैटी पेरी

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने इस इवेंट में फैशन का तड़का लगाया। कई अभिनेत्रियां इस इवेंट में अपनी फिल्मों की शूटिंग की वजह से शामिल नहीं हो पाई हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा के अलावा कैटी पैरी का नाम भी शामिल है। लेकिन एआई की मदद से किसी ने कैटी पैरी का डीपफेक फोटो बनाया है और इस फोटो को गाला के इवेंट की झलक दी है।

डीपफेक का शिकार हो चुके स्टार्स

अभीतक साउथ से लेकर बॉलीवुड और हॉलीवुड तक के कई सितारे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई के डीपफेक का शिकार हो चुके हैं। जिसमें चेहरा किसी और का होता है और बॉडी किसी और की। इन तस्वीरों को देखकर असली और नकली में फर्क करना भी मुश्किल हो जाता है। आमिर खान, आलिया भट्ट से लेकर अब कैटी पेरी की फोटोज को एआई के डीपफेक टूल की मदद से एडिट करके खूब शेयर किया जा रहा है। जबकि कैटी पैरी इस साल फैशन इवेंट में शामिल ही नहीं हुई हैं।

कैटी पेरी का डीपफेक फोटो

कैटी पेरी की एआई फोटोज सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। जबकि कैटी इस साल मेट गाला 2024 में शामिल नहीं हुई हैं, लेकिन रेड कार्पेट से उनकी फोटो जमकर वायरल हो रही है, जोकि देखने में एकदम असली दिख रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी देते हुए अपने फैंस को सावधान भी किया है।

यंग ग्लोबल लीडर्स की लिस्ट में शामिल होने पर खुश हैं भूमि

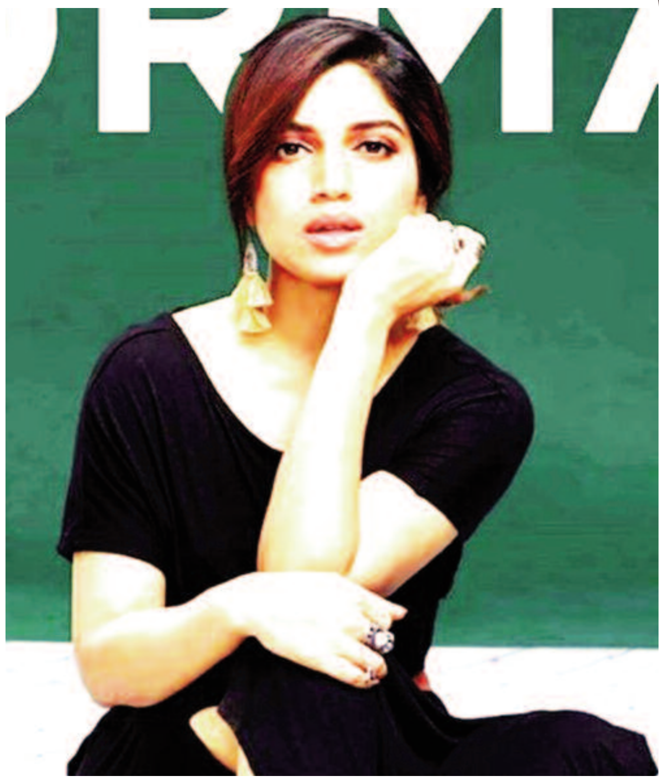

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में चलती रहती हैं। अभिनेत्री की पिछली फिल्म भक्षक दर्शकों को खूब पसंद आई थी। यह फिल्म फ्लॉप की कतार में अभिनेत्री के लिए संजीवनी साबित हुई थी। अब हाल ही में, भूमि पेडनेकर उन पांच भारतीयों में से बनी हैं, जिन्हें वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने अपने यंग ग्लोबल लीडर्स कम्युनिटी- द क्लास ऑफ 2024 का हिस्सा बनने के लिए चुना गया है। भूमि फिलहाल जिनेवा में हैं।

यंग ग्लोबल लीडर बनीं भूमि

इस महीने की शुरुआत में, विश्व आर्थिक मंच ने 40 वर्ष से कम उम्र के लगभग 90 चेंज मेकर्स की अपनी सूची जारी की, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी और स्थिरता के क्षेत्रों में अपने काम से सुनहरे भविष्य के लिए अपना योगदान दे रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच ने कहा कि 2024 की सूची राजनीति, व्यवसाय, नागरिक समाज, कला और शिक्षा जगत के उभरते सितारों के एक समूह से बनी है।

युवा वैश्विक नेता होने पर गोर्वान्वित हैं भूमि

अपनी खुशी जाहिर करते हुए भूमि ने कहा, मुझे विश्व आर्थिक मंच पर भारत से एक युवा वैश्विक नेता होने पर गर्व है। यह मुझे अपने जीवन का हर मिनट सामाजिक भलाई के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है। यह मेरे लिए और भी खास है क्योंकि यह अगले साल सिनेमा में मेरे 10वें वर्ष के जश्न में भी शामिल होगा!

भूमि ने आगे कहा, मैं दुनिया के विभिन्न हिस्सों से बदलाव लाने वालों के साथ बातचीत करके लगातार प्रेरित होती हूं। यह प्रतिष्ठित मंच मुझे ऐसे प्रतिभाशाली दिमागों से जुड़ने और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए एकजुट होने का अवसर देता है। मैं बदलाव की दिशा में काम करना चाहती हूं। मेरा फोकस स्थिरता पर जोर देना है और मैं अपने लोगों को स्वस्थ रखने के लिए अधिक से अधिक लोगों को एकजुट करना चाहती हूं। मैं सहयोग करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और वैश्विक स्तर पर अच्छे प्रभाव डालने के अवसरों की प्रतीक्षा कर रही हूं।

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन सीजन 3 की शूटिंग की शुरू

एक्टर मनोज बाजपेयी ने राज और डीके की जोड़ी के निर्देशन में द फैमिली मैन के तीसरे सीजन की शूटिंग शुरू कर दी है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर कलाकारों की एक तस्वीर के साथ क्लैपबोर्ड की एक पिक्चर शेयर की। साथ ही कैप्शन में लिखा, द फैमिली मैन की शूटिंग शुरू हो गई है।

सीजन तीन में मनोज मध्यमवर्गीय व्यक्ति श्रीकांत तिवारी के किरदार में हैं, जो एक जासूस है। पहला सीजन, जिसका प्रीमियर 2019 में हुआ, उसमें प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धनवंतरी शामिल हैं। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु दूसरे सीजन के कलाकारों में शामिल हुईं। इस सीरीज की कहानी सुमन कुमार, राज और डीके द्वारा लिखी गई है।

शिखर के साथ तिरुपति में सात फेरे लेंगी जान्हवी ?

जान्हवी कपूर अपनी निजी जिंदगी के बारे में अफवाहों पर ध्यान देने के मूड में नहीं हैं। भले ही शिखर पहाड़िया के साथ उनके रिश्ते ने मीडिया का ध्यान खींचा है, लेकिन अभिनेत्री इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करती हैं। इसलिए, जब इंस्टाग्राम पर एक पैपराजी पेज ने साझा किया कि जान्हवी सोने की साड़ी में तिरूपति मंदिर में शिखर के साथ शादी करेंगी, तो अभिनेत्री ने एक छोटी लेकिन प्रफुल्लित करने वाली प्रतिक्रिया के साथ अफवाहों पर विराम लगा दिया।

इंस्टाग्राम पर पैपराजी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, जान्हवी ने टिप्पणी की, कुछ भी। कई प्रशंसकों ने जान्हवी की टिप्पणी के तहत हंसते हुए चेहरे के इमोटिकॉन के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की। जान्हवी ने अपने रिश्ते के बारे में तब खुलासा किया जब वह पिछले साल कॉफी विद करण के नवीनतम सीजन में दिखाई दीं। शिखर पहाड़िया की बात करें तो वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं। कथित तौर पर उन्होंने और जान्हवी ने पहले डेट किया और बाद में अज्ञात कारणों से अलग हो गए। यह जोड़ी अब एक साथ वापस आ गई है क्योंकि उन्हें कई बार एक साथ देखा गया है। जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया ने इस साल की शुरुआत में जनवरी में तिरुपति मंदिर में पूजा की थी। हाल ही में जान्हवी एक कार्यक्रम का हिस्सा बनी थीं। उन्होंने गले में एक चेन भी पहनी थी जिस पर शिखू लिखा हुआ था। यह वह उपनाम है जो उन्होंने कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया को दिया है। काम के मोर्चे पर, जान्हवी कपूर आखिरी बार वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आई थीं।

करीना के साथ फिर काम नहीं करने पर इम्तियाज अली ने की बात

इम्तियाज अली इन दिनों अपनी फिल्म चमकीला की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इम्तियाज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने अमर सिंह चमकीला और परिणीति चोपड़ा ने चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर का किरदार निभाया है।

इम्तियाज जब वी मेट जैसी सुपरहिट फिल्म भी दे चुके हैं। करीना कपूर खान और शाहिद कपूर अभिनीत यह फिल्म रोमांस का प्रतीक है और आज भी दर्शकों से जुड़ी हुई है। हम प्रशंसक काफी समय से निर्देशक से सीक्वल के बारे में पूछ रहे हैं। जब वी मेट के सीक्वल के बारे में बात करते हुए इम्तियाज अली ने इसके विचार को खारिज कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि वह करीना कपूर खान के साथ फिर से काम करना पसंद करेंगे। यह बताते हुए कि ऐसा अभी तक क्यों नहीं हो सका निर्देशक ने आगे कहा कि जब भी कोई फिल्म निर्माता किसी कलाकार के साथ काम करता है तो उस पर यह जिम्मेदारी होती है कि वह केवल उस कलाकार के के लिए ही कुछ भी न करें। विचार यह है कि पुनर्मिलन केवल तभी किया जाए, जब आपने पहले जो किया है उसकी तुलना में कोई बेहतर या पूरी तरह से अलग प्रोजेक्ट हो। इसके साथ ही उन्होंने जब वी मेट का सीक्वल बनाने को लेकर भी बात की।

जंगलों में रहना चाहती हैं नरगिस , कहा- प्रकृति में दिन बिताने से बेहतर कुछ नहीं

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी जंगलों में रहना चाहती हैं, उनका कहना है कि प्रकृति में दिन बिताने से बेहतर कुछ नहीं है। नरगिस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जंगल का एक वीडियो शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा, मैं जंगलों में रहना चाहती हूं, क्योंकि प्रकृति में दिन बिताने से बेहतर कुछ नहीं है। मैं बहुत आभारी हूं, प्रकृति हमें स्वस्थ रखती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो 2011 में रणबीर कपूर-स्टारर रॉकस्टार से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली नरगिस को अब से पहले अनुपम खेर और नीना गुप्ता स्टारर हिंदी कॉमेडी फिल्म शिव शास्त्री बलबोआ में देखा गया था। एक्ट्रेस जल्द ही पवन कल्याण और बॉबी देओल स्टारर तेलुगु पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पार्ट 1- स्वॉर्ड वर्सेस स्पिरिट में दिखाई देंगी। यह फिल्म कथित तौर पर मुगल काल पर आधारित है।

अभिनेत्री श्रिया रेड्डी तमिल वेब सीरीज थलाईमाई सेयालागम में राजनीति करती नजर आएंगी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक वसंतबालन द्वारा निर्देशित आठ-एपिसोड की वेब सीरीज थलाईमाई सेयालागम में तमिल अभिनेत्री श्रिया रेड्डी सत्ता की चाहत रखने वाली एक राजनेता की भूमिका में नजर आएंगी। श्रिया रेड्डी को हाल ही में सालार में देखा गया था। उन्होंने इसमें अपने दमदार अभिनय से फैंस का दिल जीत लिया था। श्रिया अब अपनी अगली राजनीतिक सीरीज थलाईमाई सेयालागम की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। श्रिया रेड्डी निर्देशक के काम से बेहद प्रभावित हुईं और उन्होंने कहा, मैंने जितनी भी व्यावसायिक फिल्में की हैं, उसके बाद मैं फिर से अपनी जड़ों की ओर वापस आने के लिए तैयार हूं। वेयिल और कांचीवरम जैसी फिल्मों ने वास्तव में मेरे लिए एक नया माहौल तैयार किया। अभिनेत्री ने कहा, हमने इस विशेष शो को बहुत वास्तविक और बेहद स्वाभाविक रखा है। किरदार में ढलना एक निर्देशक की सबसे बड़ी संपत्ति है, इसलिए उन्होंने प्रत्येक कलाकार को किरदार में ढलने के लिए समय और स्थान दिया। वह हर चीज को यथासंभव वास्तविक चाहता थे। श्रिया रेड्डी ने कहा, जब तक उन्हें वह नहीं मिल जाता जो वह चाहते हैं, वह बस यही कहते हैं, क्या हम इसे आजमा सकते हैं? क्या हम वह प्रयास कर सकते हैं? अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी। थलाईमाई सेयालागम एक महिला की सत्ता की खोज की कहानी को सामने लाती है। यह सीरीज दर्शकों को महत्वाकांक्षा और विश्वासघात की मनोरंजक कहानी की ओर ले जाती है। साथ ही तमिलनाडु की राजनीति को उजागर करती है। रदान मीडिया वर्क्स की तमिल एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार इस सीरीज का निर्माण कर रही हैं, जिसका प्रीमियर 17 मई से जी 5 पर होगा। इसमें किशोर, श्रिया रेड्डी, आदित्य मेनन और भरत मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अनन्या ने अपकमिंग प्रोजेक्ट कॉल मी बे की झलक की साझा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने मंगलवार को अपने अगले प्रोजेक्ट कॉल मी बे की एक झलक शेयर की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वैनिटी वैन की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर बे÷लिखा हुआ है। एक्ट्रेस ने तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, देखो कौन वापस आया है... आप लोगों को दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती, इसके बाद उन्होंने रेड हार्ट वाला इमोजी भी शेयर किया। सीरीज में अनन्या पांडे एक अरबपति फैशन आइकन बे का रोल अदा कर रही हैं, जिसे एक बड़े घोटाले के बाद उसके परिवार ने खुद से बहुत दूर कर दिया है। पहली बार उसे अपना बचाव करना है। इस यात्रा में, वह रूढ़ियों को, पूर्वधारणाओं को तोड़ती हैं और जानती हैं कि वह असल में कौन है। कॉल मी बे करण जौहर, अपूर्व मेहता और एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में सोमेन मिश्रा द्वारा निर्मित और कॉलिन कुन्हा द्वारा निर्देशित धर्मा एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की सीरीज है। यह सीरीज जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। बता दें कि, अनन्या को पिछली बार अर्जुन वरैन सिंह द्वारा निर्देशित और अर्जुन, जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा लिखित फिल्म खो गए हम कहां में देखा गया था। फिल्म का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी फिल्म्स के बैनर तले रितेश सिधवानी, जोया अख्तर, रीमा कागती और फरहान अख्तर ने किया था।

- साभार एजेंसी